मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 24 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण शुक्ल 12 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 341 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ स्कूलों में छात्राओं से छेड़खानी

मैं वो सब बन रही हूं, जो मैंने चाहा 6

नागपुर के वॉटर प्यूरीफिकेशन प्लांट में क्लोरीन गैस लीक से हड़कंप, 40 लोग अस्पताल में भर्ती

नागपुरः महाराष्ट्र के नागपुर शहर से सटे गोधिनी इलाके में स्थित एक वॉटर प्यूरीफिकेशन प्लांट (जल शुद्धिकरण संयंत्र) में रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि जहरीली क्लोरीन गैस का रिसाव होने से भीषण हड़कंप मच गया। गैस के रिसाव के कारण आसपास की घनी आबादी वाले क्षेत्र में करीब 40 लोग गंभीर रूप से बीमार पड़ गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। यह संयंत्र महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण (एमजेपी) का है और गोंडी नगर पंचायत के अधिकार क्षेत्र में आता है।

अधिकारियों के मुताबिक, उन्हें रात करीब 12 l45 बजे लीक के बारे में कॉल मिली, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। वहां पहुंचने पर, सांस लेने में तकलीफ की शिकायत करने वाले 35 से 40 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। हालत बिगड़ने पर चार या पांच लोगों को इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भी भर्ती कराया गया। बाद में, अधिकारियों ने पुलिस, नागपुर नगर निगम (एनएमसी), स्वास्थ्य विभाग और नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) के साथ मिलकर बचाव अभियान शुरू किया। 200 मीटर के दायरे को 'नो-मैन्स-लैंड' घोषित कर दिया गया और वहां मौजूद लोगों को इलाका छोड़ने की सलाह दी गई।

इंस्पेक्टर हरेश कलशेकर ने बताया, अभी 90 प्रतिशत लीक को रोक दिया गया है और 40 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके अलावा, 12 लोगों को छुट्टी भी दे दी गई है। स्थिति अब काफी हद तक नियंत्रण में है; घबराने की कोई जरूरत नहीं है और पुलिस जनता से अपील करती है कि वे अफवाहों पर विश्वास न करें।

रास्ते भारत आकर शादी रचाई : हालांकि स्थिति नियंत्रण में है, फिर भी प्रशासन ने लोगों को सभी जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी है। एनडीआरएफ के जवान विजय ने बताया कि लोगों की आवाजाही पर अभी भी रोक है और प्रभावित इलाके को दो से तीन दिनों के लिए सील किया जा सकता है।

इस बीच, इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। उन्होंने बताया कि गैस लीक की खबर के बाद इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी। हालांकि, उन्होंने पुलिस और प्रशासन का शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने सभी को सुरक्षित निकाला और प्रभावित लोगों को सही इलाज मुहैया कराया। स्थानीय निवासी नीरज पांडे ने पूरी घटना को याद करते हुए बताया, पुलिस इंस्पेक्टर अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुँचे; गैस लीक होने से तेज बदबू आ रही थी और लोगों को साँस लेने में तकलीफ हो रही थी। ढक ने घर-घर जाकर लोगों को बचाया और उन्हें खुद पुलिस वैन में एम्बुलेंस तक पहुँचाया।

अमरावती के अस्पताल में आग, तीन नवजात की झुलसने से मौत

मुंबईः महाराष्ट्र के अमरावती के जिला अस्पताल में सोमवार तड़के अचानक आग लग गई। हादसे में तीन नवजात बच्चों की मौत हो गई। आग लगते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और इलाज करा रहे दर्जनों नवजात बच्चों को आनन-फानन में सुरक्षित बाहर निकालकर दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, अस्पताल की तीसरी मंजिल पर आग लगी। बताया जा रहा है कि नवजात बच्चों के इलाज वाले यूनिट में वेंटिलेटर में अचानक विस्फोट के बाद आग भड़की। हादसे के वक्त अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में 39 नवजात बच्चे भर्ती थे।

नवजात बच्चों का अस्पताल के कर्मचारियों ने रेस्क्यू कियाः आग लगते ही डॉक्टर, नर्स और अस्पताल के अन्य कर्मचारी तुरंत वार्ड में पहुंचे और नवजात बच्चों को बाहर निकालने में जुट गए। बचाव के दौरान जरूरी मेडिकल उपकरणों को हटाया गया और बच्चों को प्रभावित हिस्से से सुरक्षित बाहर ले जाया गया। अस्पताल के कर्मचारियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

आंगन में दफन मिला मृत शिशु, नाबालिग के प्रसव मामले में महिला गिरफ्तार

सिमडेगाः जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय नाबालिग के गर्भवती होने और प्रसव से जुड़े मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में नामजद 40 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर घर के आंगन में दफन किए गए मृत शिशु को बरामद कर लिया। वहीं, घटनास्थल से कुदाल भी जब्त की गई है। घटना को लेकर एसडीपीओ धर्मदेव पासवान ने बताया कि 22 अगस्त को सदर अस्पताल में नाबालिग की मां ने पुलिस के समक्ष बयान दर्ज कराया था। जिसमें बताया गया कि करीब 10 दिन पहले उन्हें बेटी के गर्भवती होने की जानकारी मिली थी। पूछताछ में एक नाबालिग लड़के ने गर्भधारण की बात स्वीकार भी की थी। आरोप है कि लड़के की मां ने दोनों की शादी कराने की बात कही थी। नाबालिग की मां ने कहा कि 19 अगस्त को खेत से लौटने के बाद किशोरी ने बताया कि लड़के की मां ने गर्भपात कराने के उद्देश्य से कथित रूप से जड़ी-बूटी की दवा खिलाई और किसी को जानकारी नहीं देने को कहा। इसके बाद किशोरी ने करीब छह माह के मृत शिशु को जन्म दिया। आरोप है कि लड़के की मां ने मृत शिशु को बिना सूचना दिए अपने साथ ले गई। जिसके बाद तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने 22 अगस्त को किशोरी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। बयान के आधार पर मुफस्सिल थाना में कांड संख्या 21/26 दर्ज कर बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में जांच शुरू की गई। एसपी श्रीकांत एस खोटरे के निर्देश पर पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सावन की अंतिम सोमवारी आज

'बोल बम' व 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान हुई बाबा नगरी

संवाददाता

देवघर : बाबा वैद्यनाथ मंदिर में सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं और कांवरियों की भीड़ बढ़ने लगी है। रविवार शाम से ही बाबा नगरी में कांवरियों के पहुंचने का सिलसिला तेज हो गया। दिन में अपेक्षाकृत कम भीड़ रही, लेकिन रात होते-होते कांवरियों की संख्या बढ़ने लगी। अंतिम सोमवारी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जलार्पण के लिए पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था और मजबूत कर दी है।

रविवार को 1.87 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलार्पणःश्रावणी मेले के 25वें दिन रविवार को बाबा मंदिर का पट निर्धारित समय पर खोला गया। पट खुलने के बाद पुजारी राकेश झा ने बाबा भोलेनाथ की दैनिक सरदारी पूजा संपन्न कराई। इसके बाद सुबह 4:11 बजे से आम कांवरियों के लिए अरघा के माध्यम से जलार्पण की प्रक्रिया शुरू हुई। रविवार को कुल 1,87,239 श्रद्धालुओं ने अरघा के

जरिए बाबा बैद्यनाथ का जलार्पण कर मंगलकामना की। इनमें बाहरी अरघा से 86,364 और आंतरिक अरघा से 1,00,875 श्रद्धालुओं ने जल चढ़ाया।

मंदिर परिसर से बाहर तक पहुंची कांवरियों की कतारः रविवार को श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या का असर कतार व्यवस्था पर भी दिखाई दिया। बाहरी अरघा से जलार्पण करने वाले कांवरियों की कतार मंदिर परिसर से बाहर निकलकर सरदार पंडा लेन तक पहुंच गई। भीड़ बढ़ने के साथ कतार लगातार लंबी होती गई और श्रद्धालुओं को अपनी बारी के लिए काफी समय तक इंतजार करना पड़ा। ओवरब्रिज गली में भी कांवरियों की लंबी कतार लगी, जिसके कारण कई घंटे तक जाम जैसी स्थिति बनी रही।

भीड़ नियंत्रण में जुटा रहा पुलिस बलः श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर और आसपास के मेला क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। पुलिसकर्मी कतार को व्यवस्थित करने और श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु बनाए रखने में लगातार जुटे रहे। प्रशासन की टीम भी मेला क्षेत्र में व्यवस्था पर नजर बनाए रही, ताकि भीड़ बढ़ने के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था उत्पन्न न हो।

अंतिम सोमवारी के लिए

- अंतिम सोमवारी पर बड़ी संख्या में कांवरियों और श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना
- सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, प्रशासन अलर्ट

प्रशासन अलर्टः अंतिम सोमवारी पर श्रद्धालुओं की संख्या में और इजाफा होने की संभावना को देखते हुए बाबा वैद्यनाथ मंदिर प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखा गया है। मंदिर प्रभारी एसडीएम रवि कुमार ने सभी मंदिर कर्मचारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं को हर हाल में दुरुस्त रखने और भीड़ के दौरान अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने को कहा है।

फूलों से सजेगा बाबा का दरबारः अंतिम सोमवारी के अवसर पर बाबा वैद्यनाथ मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाया जा रहा है। मंदिर के मुख्य द्वारों के साथ परिसर में स्थित अन्य मंदिरों को भी फूलों की लड़ियों से सजाया गया है। इसके लिए बड़ी मात्रा में फूल और आकर्षक फूलों की लड़ियां कोलकाता से मंगाई गई हैं। कोलकाता से पहुंचे कारीगरों ने रविवार की पूरी रात मंदिर परिसर की सजावट का काम किया।

अंतिम सोमवारी पर व्यवस्था की अग्निपरीक्षाः सावन की अंतिम सोमवारी बाबा नगरी के लिए सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक है। रविवार को ही बढ़ी भीड़ ने प्रशासन को आने वाली चुनौती का संकेत दे दिया है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षित आवाजाही और सुचारु जलार्पण के लिए पुलिस और प्रशासन की टीमें लगातार सक्रिय हैं। अब निगाहें अंतिम सोमवारी पर हैं, जब बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलार्पण के लिए बड़ी संख्या में कांवरियों के देवघर पहुंचने की उम्मीद है।

छपरा-मुजफ्फरपुर एनएच पर भीषण हादसा

हाइवा ने टोटो को रौंदा, चार की मौत, तीन घायल

छपरा : छपरा-मुजफ्फरपुर एनएच-722 पर भेल्दी थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास सोमवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। मकेर की ओर से छपरा की तरफ जा रहे एक अनियंत्रित 18 चक्का हाइवा ने सामने से एक टोटो को रौंद दिया। हादसे में टोटो सवार परिवार के तीन लोगों और एक साइकिल सवार समेत चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, टोटो चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मकेर में भर्ती कराया गया।

हादसे में चार लोगों की मौतः हादसे में मृतकों की पहचान अमनौर थाना क्षेत्र के सुल्तानगंज निवासी फारूक मियां, उनकी पतोहू और इब्राहिम मियां की पत्नी शहीदा खातून, इब्राहिम मियां की पुत्री शाना प्रवीण और सोनहो निवासी दीपन पंडित के पुत्र सुरेश पंडित के रूप में हुई है।

इलाज कराने गड़खा गया था परिवार: बताया जा रहा है कि फारूक मियां के इलाज के लिए उनकी पतोहू पूरे परिवार के साथ टोटो से गड़खा गई थी। उपचार कराने के बाद परिवार टोटो से वापस लौट रहा था। इसी दौरान भेल्दी थाना क्षेत्र में टोल प्लाजा के पास सामने से आ रहे अनियंत्रित 18 चक्का हाइवा ने टोटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि टोटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उसमें सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हाइवा की चपेट में आने से सड़क से गुजर रहे एक साइकिल सवार की भी मौत हो गई। हादसे में तीन अन्य लोग घायल हो गए।

11 हजार वोल्ट के बिजली पोल को भी मारी टक्करः हादसे के दौरान अनियंत्रित हाइवा ने सड़क किनारे लगे 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन के पोल को भी ध्वस्त कर दिया। इससे इलाके में बिजली व्यवस्था को लेकर भी खतरा पैदा हो गया। हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

हादसे के बाद सड़क पर लगा लंबा जामः घटना की सूचना मिलते ही भेल्दी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी ली। पुलिस ने सड़क पर लगे जाम को हटाने का प्रयास किया, लेकिन मृतकों के परिजन और स्थानीय लोग काफी आक्रोशित थे। उन्होंने पुलिस की बात मानने से इनकार कर दिया और जाम हटाने को तैयार नहीं हुए। स्थिति बिगड़ती देख मकेर थानाध्यक्ष संग्राम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन लोग अपनी मांग पर अड़े रहे। पुलिस लगातार लोगों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास करती रही।

बानो में हाथियों का आतंक बरकरार, घर क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों में दहशत

बानो (सिमडेगा): प्रखंड के बांकी इलाके में पिछले पांच दिनों से दो जंगली हाथियों के डेरा जमाये रहने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथियों के लगातार गांव के आसपास विचरण करने से लोग भय के साये में जीने को मजबूर हैं। शाम होते ही ग्रामीणों की चिंता बढ़ जाती है और लोग अपने घरों की सुरक्षा को लेकर सतर्क हो जाते हैं।

हाथी ने तोड़ा ग्रामीण का घर, बढ़ी चिंता: इसी क्रम में जंगली हाथी ने बांकी किरण नगर में वेलेंटाइन नामक व्यक्ति के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। घर टूटने की घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में डर और बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों के डर से रात में लोग जागकर निगरानी करने को मजबूर हैं।

समूह बनाकर गांव में निगरानी कर रहे ग्रामीण: हाथियों से बचाव के लिए कई ग्रामीण समूह बनाकर रात में गांव की निगरानी कर रहे हैं। हाथियों के अचानक आबादी वाले क्षेत्र में प्रवेश करने पर लोगों को सतर्क किया जा रहा है। ग्रामीणों को खासकर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की सुरक्षा की चिंता सता रही है।

वन विभाग से हाथियों को सुरक्षित जंगल में भेजने की मांग: घर क्षतिग्रस्त होने की घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। ग्रामीणों ने हाथियों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ने के साथ ही हाथियों से हुए नुकसान का आकलन कर पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

कचरे का पहाड़ गिरने से 30 लोगों की मौत व 6 घायल, कई घर और वाहन भी तबाह

नई दिल्ली/एजेंसी : अफ्रीकी देश गिनी में भारी बारिश के बाद कचरे का एक विशाल पहाड़ अचानक धंस गया और देखते ही देखते आसपास की बस्ती मलबे में दब गई। राजधानी कोनाक्री के सबसे बड़े लैंडफिल में हुए इस हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। कई घर और वाहन भी कचरे के मलबे में दब गए हैं। हादसे के बाद बचाव टीमें लगातार मलबा हटाकर लोगों की तलाश में जुटी हैं। हादसा रविवार तड़के करीब 2 बजे हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, रात में हुई भारी बारिश के बाद पानी कचरे के विशाल ढेर के ऊपर से

बहने लगा। पानी के कारण कचरे के ढेर का संतुलन बिगड़ा और उसका एक बड़ा हिस्सा अचानक नीचे की ओर खिसक गया। कचरे की चपेट में आसपास बनी कई झोपड़ियां और घर आ गए। जबरदस्त मलबे में कई लोग फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटाने का काम शुरू किया गया।

हादसे में अब तक 30 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। बचावकर्मी मलबे में दबे अन्य लोगों की तलाश कर रहे हैं। हादसे में कई घर तबाह हो गए, जबकि कुछ वाहन भी कचरे के मलबे की चपेट में आ गए। यह हादसा राजधानी कोनाक्री के दार एस सलाम इलाके में स्थित खुले कचरा डंप में हुआ। यह शहर का सबसे बड़ा लैंडफिल बताया जा रहा है। सैन्य इंजीनियरिंग बटालियन के सफाई अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल बाल्ड मामादो बैलो के मुताबिक, इस लैंडफिल को रविवार को बंद किया जाना था। प्रशासन ने लैंडफिल के आसपास रहने वाले लोगों को पहले ही इलाका खाली करने का नोटिस दिया था। नोटिस के बाद कई लोग वहां से चले भी गए थे, लेकिन हादसे के समय कुछ लोग अब भी इलाके में मौजूद थे।

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में नियम तोड़ने वाले जहाजों को दी कार्रवाई की चेतावनी

तेहरानः फारस की खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण (पीजीएसए) ने चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए ईरान द्वारा निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने वाले जहाजों को भविष्य में वहां से गुजरने पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। पीजीएसए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी कई बयानों में कहा कि कुछ जहाजों द्वारा ईरानी पारगमन व्यवस्था का उल्लंघन किए जाने के मद्देनजर भविष्य में उनके आवागमन पर जुमार्ना, हिरासत में लेने या फिर जहाज जब्त करने जैसी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

प्राधिकरण ने फारस की खाड़ी से आने-जाने वाले माल के मालिकों से भी जहाज किराये पर लेने से पहले गैर-अनुपालन करने वाले जहाजों की सूची की समीक्षा करने का आग्रह किया, ताकि संभावित समस्याओं से बचा जा सके। पीजीएसए ने कहा कि तत्काल प्रभाव से सूची में शामिल जहाजों के साथ एसटीएस (शिप-टू-शिप) हस्तांतरण या अन्य माध्यमों से सहयोग करने वाले किसी भी जहाज को भी इस सूची में शामिल कर दिया जाएगा।

समाचार सार

जेएलकेएम नेता ने जर्जर स्कूल की स्थिति पर उठाए सवाल

सिल्ली: प्रखंड के राजकीयकृत मध्य विद्यालय बड़ा चांगडू की जर्जर स्थिति को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय महासचिव राजू महतो ने शिक्षा विभाग पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि स्कूल की छत टपक रही है, दीवारों में दरारें हैं, बच्चों को बैठने के लिए बेंच तक नहीं है। ऐसे में बच्चों की जान जोखिम में है। कई बार शिकायत के बाद भी मरम्मत नहीं हुई। श्री महतो ने चेतावनी दी है कि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो प्रखंड कार्यालय का घेराव किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया की यह स्तिथि केवल बड़ा चांगडू में ही नहीं बल्कि कमोवेश क्षेत्र के अन्य कई विद्यालय में भी है जल्द ही भ्रमण कर सभी जर्जर विद्यालयों का जायजा लिया जायेगा और विभाग को ऐसे जर्जर विद्यालयों का मरम्मत के लिए विवर्श किया जाएगा, अन्यथा प्रखंड का घेराव किया जायेगा।

एक दिवसीय दौरे पर हंटरगंज पहुंचे सांसद कालीचरण सिंह

चतराः चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह रविवार को एक दिवसीय दौरे पर हंटरगंज पहुंचे।दोपहर करीब दो बजे हंटरगंज पहुंचने पर कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया।इस दौरान सांसद ने क्षेत्र की जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और स्थानीय मुद्दों की जानकारी ली। उन्होंने लोगों को समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव पहल करने का आश्वासन दिया।सांसद ने कहा कि क्षेत्र के लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को जानना उनकी प्राथमिकता है। जनता की समस्याओं को संबंधित स्तर तक पहुंचाकर उसके समाधान का प्रयास किया जाएगा।

इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय के संस्थापक का निधन, दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

चतराः जिला मुख्यालय स्थित स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय, दीभा, चतरा में सोमवार को विद्यालय के संस्थापक,संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष पन्नालाल अग्रवाल के असामयिक निधन पर शोक सभा आयोजित कर गहरा दुःख व्यक्त किया गया। उनके निधन से विद्यालय परिवार ने अपने एक स्नेही अभिभावक, मार्गदर्शक एवं कर्मठ संरक्षक को खो दिया।89 वर्षीय पन्नालाल जी का रविवार देर रात लगभग 10:30 बजे मारवाड़ी मुहल्ला स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे पन्नालाल जी के निधन का समाचार मिलते ही विद्यालय परिवार एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई।शोक सभा में विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव संजय सिन्हा, कोषाध्यक्ष मुकेश साह एवं प्रधानाचार्य रमेश कुमार सिंह ने उनके व्यक्तित्व एवं विद्यालय के प्रति योगदान को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया। अपने संदेश में वर्तमान कार्यकारिणी अध्यक्ष संतन पांडेय, सह-सचिव कुमार विवेक सिंह तथा समिति सदस्यों रंजीत अग्रवाल एवं सुमन गुप्ता ने भारी मन से पन्नालाल जी की आमायिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।इस शोकाकुल स्थिति में विद्यालय परिवार ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति एवं सद्गति के लिए प्रार्थना की। उनके सम्मान में पठन-पाठन स्थगित कर विद्यालय में अवकाश घोषित किया गया। पन्नालाल जी का स्नेह, सेवा एवं विद्यालय के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा।

रांची में 20 कोचिंग संस्थानों पर निगम का शिकंजा तीन दिन में लाइसेंस नहीं दिखाया तो सील होंगे सेंटर

संवाददाता

रांची : छात्र आंदोलन के बीच राजधानी रांची में कोचिंग संस्थानों पर रांची नगर निगम की कार्रवाई शुरू हो गई है। निगम ने जांच अभियान चलाकर 20 कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी किया। इन संस्थानों पर बिना ट्रेड लाइसेंस के संचालन का आरोप है। निगम ने संबंधित संचालकों को तीन दिनों के भीतर आवश्यक कागजात और अनुमति से संबंधित दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया है।

जानकारी के अनुसार, रांची में करीब 861 कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं। इनमें अब तक महज 61 संस्थानों के पास ट्रेड लाइसेंस होने की बात सामने आई है। ऐसे में निगम की कार्रवाई से कोचिंग संस्थान संचालकों में हड़कंप है। निगम ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा में आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए गए और नियमों का पालन नहीं हुआ, तो संबंधित संस्थानों को सील करने की कार्रवाई की जा सकती है।

भाजपा ने लगाया बदले की कार्रवाई का आरोप: नगर निगम की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया है। भाजपा ने इसे हेमंत सोरेन सरकार की बदले की कार्रवाई करार दिया है। पार्टी का आरोप है कि छात्र आंदोलन को कमजोर करने के उद्देश्य से कोचिंग संस्थान संचालकों पर दबाव बनाया जा रहा है। भाजपा नेताओं का कहना है कि आंदोलन से जुड़े छात्रों और उनके सहयोगियों को अलग-अलग तरीके से दबाव में लेने की कोशिश की जा रही है।

झामुमो बोला- नियम के तहत हो रही कार्रवाई: वहीं, झामुमो ने भाजपा के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी का कहना है कि नगर निगम की कार्रवाई पूरी तरह नियम और कानून के तहत हो रही है। बिना लाइसेंस संचालित संस्थानों की जांच करना निगम की जिम्मेदारी है और इसी के तहत नोटिस जारी किए गए हैं। पार्टी ने इसे छात्र आंदोलन से जोड़कर देखने को राजनीतिक आरोप बताया है। फिलहाल तीन दिनों की समय सीमा के बाद निगम की अगली कार्रवाई पर कोचिंग संचालकों और छात्र संगठनों की नजर बनी हुई है।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में मेस फीस बढ़ने और खराब खाने के खिलाफ छात्रों का धरना

विश्वविद्यालय प्रशासन पर मनमाना फैसला लेने का आरोप

संवाददाता

रांचीः जेपीएससी-जेएसएससी छात्र आंदोलन के बीच राजधानी रांची स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी में भी छात्र अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए। विश्वविद्यालय के हॉस्टल में मेस शुल्क बढ़ाए जाने के विरोध में रविवार को सैकड़ों छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रबंधन पर बिना पर्याप्त सुविधा दिए मेस शुल्क बढ़ाने का आरोप लगाया। आक्रोशित छात्रों ने विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए मुख्य द्वार पर आवाजाही प्रभावित रही।

छात्रों का कहना था कि मेस में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता पहले से ही संतोषजनक नहीं है। कई बार खाने में कंकड़ और कीड़ा मिलने की शिकायत सामने आती रही है। इसके बावजूद अचानक मेस शुल्क बढ़ा दिया गया। छात्रों ने सवाल उठाया कि जब भोजन की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ तो शुल्क बढ़ाने का औचित्य क्या है। छात्रों ने स्पष्ट किया कि वे पुरानी निर्धारित दर पर ही मेस शुल्क का भुगतान करेंगे और बढ़ी हुई राशि किसी भी कीमत पर नहीं देंगे।

प्रदर्शन की सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय प्रशासन में हलचल मच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीन स्टूडेंट वेलफेयर समेत विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आंदोलन कर रहे छात्रों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं।

मामले की जानकारी देते हुए डॉ. अनुराग लिंडा ने बताया कि पहले मेस का संचालन करने वाली एजेंसी कम दर पर भोजन उपलब्ध करा रही थी। हाल ही में नई एजेंसी को मेस संचालन की जिम्मेदारी मिलने के बाद शुल्क में बढ़ोतरी की गई, जिसके कारण विवाद उत्पन्न हुआ।

प्रबंधन ने छात्रों की मांगों और उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए मेस शुल्क के मामले में सकारात्मक आश्वासन दिया। आश्वासन मिलने के बाद छात्रों का गुस्सा शांत हुआ और उन्होंने अपना अनिश्चितकालीन धरना समाप्त कर दिया। छात्रों ने कहा कि मेस की गुणवत्ता और शुल्क व्यवस्था पर वे आगे भी नजर बनाए रखेंगे।

चुरी परियोजना कॉल माइंस स्टाफ एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में लिपिकीय कर्मचारियों की बैठक

अभिजीत कुमार अध्यक्ष व धनंजय चौहान बने सचिव

प्रवेश चौहान

खलारीः एनके एरिया अंतर्गत चुरी परियोजना कार्यालय में रविवार को कॉल माइंस स्टाफ एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में लिपिकीय कर्मचारियों एक बैठक हुई इस बैठक की अध्यक्षता जगन्नाथ महतो एवं संचालन मनोज कुमार ने किया। बैठक में लिपिकीय कर्मचारियों के हितों, संगठन की मजबूती, एकजुटता तथा कर्मचारियों के अधिकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद कॉल माइंस स्टाफ एसोसिएशन ऑफ इंडिया की चुरी परियोजना इकाई का सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चुनाव किया गया चुरी परियोजना इकाई के निर्वाचित पदाधिकारी अध्यक्ष अभिजीत कुमार उपाध्यक्ष राजकुमार एवं माया देवी सचिव धनंजय चौहान सह-सचिव उमेश कुमार यादव श्याम किशोर मुंडा

कोषाध्यक्ष अखिलेश कुमार यादव उपकोषाध्यक्ष विकास कुमार महतो : संगठन सचिव मनोज कुमार कार्यकारी सदस्य धीरेन्द्र कुमार सिंह, गोविंद चंद महतो, संयुक्ता देवी, पीयूष कुमार साहू, सुश्री आकांक्षा कुमारी सिंह, सुनील कुमार नहाक, तपेश्वर कुमार यादव, शैलेश प्रसाद, संतोष उरांव, आकाश कुमार, राजेंद्र गोप, दौतिनाथ महतो, तिग्गा, दीपक कुमार सहित अन्य साथी कार्यकारी सदस्य के रूप में शामिल हुए।

मौके पर केंद्रीय सह-क्षेत्रीय अध्यक्ष देवपाल मुंडा, केंद्रीय सह-क्षेत्रीय सचिव दिनेश कुमार भुइयां, केंद्रीय सह-क्षेत्रीय सह-सचिव जगरनाथ महतो सुनील कुमार मेहता की गरिमामयी उपस्थिति रही बैठक में उपस्थित साथियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने, अधिक से अधिक लिपिकीय कर्मचारियों को एकजुट करने तथा कर्मचारियों के सम्मान, अधिकार, समान अवसर एवं भेदभाव मुक्त भविष्य के लिए संगठित होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पुल नहीं रहने से भोक्ताडीह के 100 घरों की बढ़ी परेशानी बारिश में रास्ता बंद

एंबुलेंस पहुंचना मुश्किल, पानी बढ़ते ही बच्चों की पढ़ाई भी हो जाती है बाधित

चतराः विकास के दावों के बीच हंटरगंज प्रखंड के गेंजना पंचायत अंतर्गत भोक्ताडीह गांव के ग्रामीण इन दिनों पुल के अभाव में काफी परेशानी झेल रहे हैं। गांव को पांडेपुरा से जोड़ने वाली सड़क के बीच पुल नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में आवागमन प्रभावित हो जाता है। करीब 100 घरों की आबादी वाले इस गांव के लोगों को पिछले करीब दो वर्षों से इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों में सड़क के बीच पानी जमा हो जाने के कारण लोगों का आवागमन मुश्किल हो जाता है। सबसे अधिक परेशानी मरीजों और स्कूली बच्चों को होती है।

जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस गांव तक पहुंचने में भी परेशानी होती है। वहीं पानी अधिक होने पर बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है।ग्रामीणों के अनुसार भोक्ताडीह से पांडेपुरा जाने वाला यह रास्ता स्थानीय लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।बावजूद इसके पुल नहीं रहने के कारण हर साल बरसात में ग्रामीणों को इसी समस्या से जूझना पड़ता है।ग्रामीणों ने बताया कि कई बार संबंधित लोगों के समक्ष समस्या रखी गई, लेकिन अब तक पुल का निर्माण नहीं हो सका है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं सरकार से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द पुल निर्माण की स्वीकृति देने और निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल बनने से गांव के लोगों को सालभर आवागमन की सुविधा मिलेगी और मरीजों, स्कूली बच्चों समेत आम लोगों को होने वाली परेशानी से स्थायी रूप से निजात मिल सकेगी।

हंटरगंज के सलैया में नलकूप से सोलर प्लेट-मोटर चोरी का खुलासा

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के गेंजना पंचायत अन्तर्गत सलैया गांव में सरकारी नलकूप से सोलर प्लेट और मोटर पंप चोरी के मामले का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी गया सोलर प्लेट एवं मोटर पंप बरामद किया है।गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।जानकारी के अनुसार, 22 अगस्त 2026 को सलैया गांव निवासी बाढ़ो यादव, पिता कर्मदेव यादव, के लिखित आवेदन पर हंटरगंज थाना में बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।सरकारी नलकूप से सोलर प्लेट और मोटर चोरी

की घटना को पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की।मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहम्मद जाहिद (22 वर्ष), पिता अब्दुल रशीद, ग्राम गेंजना, हंटरगंज, मोहम्मद मकसूद आलम (30 वर्ष), पिता स्व. जलील मियां, ग्राम रानीगंज तथा संजय महतो (50 वर्ष) पिता जगदीश महतो, ग्राम रानीगंज चपरी, थाना इमामगंज, जिला गया, बिहार को गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से चोरी गया सोलर प्लेट और मोटर पंप बरामद किया गया है।आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।छापामारी दल में थाना प्रभारी पु.नि. विपिन कुमार, स.अ.नि. सुनील कुमार दुबे सहित हंटरगंज थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से सरकारी संपत्ति को निशाना बनाने वाले लोगों में हड़कंप मचा है।

कोल परियोजना के आउटसोर्सिंग कार्यालय पर अपराधियों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

संवाददाता

चतराः जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के उड़सू स्थित चंद्रगुप्त कोल परियोजना के हजारीबाग जिले के केरेडारी एरिया में काम कर रही आउटसोर्सिंग कंपनी सुशी इंफ्रा के कार्यालय पर अपराधियों ने रविवार की दोपहर 02:25 बजे ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना में कंपनी के निजी सुरक्षाकर्मी को हांथ में गोली लगी है। जानकारी के अनुसार दो बाइक पर सवार होकर चार नकाबपोश अपराधी कार्यालय गेट के करीब पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। कार्यालय को निशाना बनाकर करीब 20 राउंड हवाई फायरिंग करने के बाद अपराधी फरार हो गये। ग्रामीणों के मुताबिक आर वन फाइव और बुलेट पर सवार होकर चारों नकाबपोश सिमरिया की तरफ से आये थे और फायरिंग कर टंडवा की तरफ भाग निकले। अचानक गोलियों की आवाज से कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।टंडवा थाना क्षेत्र के गोड़वार निवासी गार्ड रविश कुमार यादव को बांह में गोली

▶▶गार्ड को लगी गोली,दो बाइक पर सवार होकर आये थे चार नकाबपोश, 20 राउंड की फायरिंग

▶▶राहुल दुबे गैंग ने ली घटना की जिम्मेवारी, फायरिंग से क्षेत्र में दहशत

लगी है।उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर किया गया है। आपको बताते चलें कि चंद्रगुप्त कोल परियोजना में 25 वर्षों के खनन का ठेका सुशी कोल माइन को मिला है।शुरूआती दौर में कंपनी ने टंडवा के उड़सू स्थित जीवन दास के निजी मकान में किराये पर अपना कार्यालय खोला था। वर्तमान में कंपनी हजारीबाग के केरेडारी से कोयला खनन कर रही है। कोयला खनन शुरू होने के बाद कंपनी का कार्यालय केरेडारी थाना क्षेत्र में संचालित हो रहा है,लेकिन कंपनी ने उड़सू कार्यालय को अभी तक नहीं हटाया है। कार्यालय केरेडारी में होने के कारण यहां इक्का-दुक्का लोग रहते हैं, जिस कारण बड़ी घटना टल गयी।

घटनास्थल से खोखे और पर्चे बरामदः घटना की सूचना मिलते ही टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार, चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन समेत थाना प्रभारी और अन्य पुलिस कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। इस दौरान कई खोखा और अपराधियों द्वारा छोड़ा गया पर्चा बरामद किया गया। एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।वहीं एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार ने कहा कि घटना में चार लोग शामिल थे। प्राथमिक सूचना के अनुसार 20 राउंड गोली चली है। कहा कि राहुल दुबे गैंग ने घटना की जिम्मेवारी ली है। उन्होंने कहा अपराधी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

सावन की अंतिम सोमवारी आज,पहाड़ी मंदिर में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, तड़के 3:30 बजे से शुरू हुआ जलाभिषेक

हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से भक्तिमय हुआ वातावरण ‣ राजधानी के विभिन्न शिवालयों में जलार्पण को उमड़े श्रद्धालु

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में सावन की अंतिम सोमवारी पर सोमवार तड़के से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह 3:30 बजे मंदिर के कपाट खुलते ही बाबा भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्तों का सैलाब देखने को मिला। हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर और आसपास का इलाका भक्तिमय हो गया।

अंतिम सोमवारी पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ः सावन की प्रत्येक सोमवारी की तरह अंतिम सोमवारी पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा पहाड़ी के दर्शन के लिए पहुंचे। बताया गया कि सावन के दौरान प्रत्येक सोमवारी को एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक और पूजा-अर्चना की। अंतिम सोमवारी होने के कारण इस बार भी श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक रहने की संभावना है।

भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन की ओर से जलाभिषेक के लिए अरघा की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके माध्यम से श्रद्धालु व्यवस्थित तरीके से बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सकें और भीड़ के बीच व्यवस्था बनी रहे। मंदिर के कपाट तड़के ही खोल दिए गए, ताकि दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं को अधिक इंतजार न करना पड़े।

सुरक्षा के व्यापक इंतजामः अंतिम सोमवारी को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने भी सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। मंदिर परिसर के साथ-साथ आसपास के प्रमुख इलाकों में करीब एक हजार अतिरिक्त पुलिस बल और जवानों की तैनाती की गई है। भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

भोर से ही श्रद्धालु कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। कई श्रद्धालु दूर-दराज के इलाकों से पैदल और विभिन्न साधनों से पहाड़ी मंदिर पहुंचे।

हाथों में पूजा सामग्री और जल लेकर भक्त बाबा भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। आस्था, भक्ति और जयकारों के बीच पहाड़ी मंदिर में सुबह से ही भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

आम्रेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़, ओडिशा से भी पहुंचे शिवभक्तः सावन की अंतिम सोमवारी पर खूंटी के प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंजता रहा। स्वयंभू शिवलिंग पर जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए झारखंड के विभिन्न इलाकों के साथ-साथ ओडिशा से भी कांवरियों और शिवभक्तों का जत्था आम्रेश्वर धाम पहुंचा।

श्रद्धालुओं को जलाभिषेक के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए थे। गर्भगृह और मंदिर के प्रवेश द्वारों पर पुलिस बल के साथ महिला जवानों की भी तैनाती की गई थी। सावन की अंतिम सोमवारी होने के कारण आम्रेश्वर धाम में दिनभर भक्तों की आवाजाही जारी रही। दूर-दराज से पहुंचे कांवरियों और स्थानीय श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की।

दुर्लभ जुड़वां गर्भावस्था में गर्भनाल में आठ गांठें, दोनों बच्चियों का सुरक्षित प्रसव

रांचीः बेंगलुरु के रेनबो अस्पताल, एचआरबीआर में एक दुर्लभ जुड़वां गर्भावस्था का सफल उपचार करते हुए दो स्वस्थ बच्चियों का सुरक्षित प्रसव कराया गया। 37 वर्षीय महिला प्राथमिक बांझपन के उपचार के बाद गर्भवती हुई थीं और दोनों भ्रूण एक ही नाल तथा गर्भजल थैली साझा कर रहे थे। डॉ मंजुला दीपक की देखरेख में 16वें सप्ताह से नियमित अल्ट्रासाउंड के जरिए भ्रूणों के विकास और गर्भनाल की निगरानी की गई। 32वें सप्ताह में गर्भजल की थैली समय से पहले फटने के बाद तत्काल शल्य प्रसव कराया गया, जिसमें गर्भनाल में करीब आठ गांठें मिलीं। दोनों बच्चियों का वजन 1.52 किलोग्राम और 1.437 किलोग्राम था। नवजात गहन चिकित्सा इकाई में डॉ सुजीत के आर और डॉ प्रशांत शेट्टी की देखरेख में उपचार के बाद दोनों स्वस्थ होकर घर भेज दी गईं। डॉ मंजुला दीपक ने कहा कि ऐसे मामलों में लगातार निगरानी और समय पर निर्णय बेहद महत्वपूर्ण होता है।

आजसू के केंद्रीय सदस्य समेत दर्जनों लोगों ने थामा कांग्रेस का दामन, विधायक ने दिलाई सदस्यता

नामकुम(रांची): आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संजीव सिंह उर्फ छोटू सिंह समेत भाजपा और अन्य दलों से जुड़े दर्जनों लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। नामकुम प्रखंड अध्यक्ष विजय टोप्पो की अध्यक्षता में खिजरी विधायक राजेश कच्छप के लुपुंगटोली स्थित आवास पर मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

विधायक राजेश कच्छप ने दिलाई कांग्रेस की सदस्यताः समारोह में आजसू के संजीव सिंह और उनके समर्थकों के साथ भाजपा के कौशल सिंह तथा रवि सिंह के नेतृत्व में कई लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा। खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने सभी को पार्टी की सदस्यता दिलाकर स्वागत किया।

कांग्रेस में बढ़ रहा आम लोगों का विश्वासः विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रति आम लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। दूसरे दलों से कांग्रेस में शामिल हो रहे कार्यकर्ताओं से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी नये सदस्यों का पार्टी में स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। संविधान और सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत करने का संकल्पः कांग्रेस में शामिल हुए संजीव सिंह समेत अन्य लोगों ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जनहित की लड़ाई को और मजबूती दी जाएगी। मौके पर रांची ग्रामीण कांग्रेस प्रभारी रियाजुल अंसारी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष सोमनाथ मुंडा, विधायक प्रतिनिधि रमेश पांडेय, एतवा मुंडा, विजय टोप्पो, माधो कच्छप, कृष्णा गोप, मीनू सिंह, सुरेंद्र सिंह, मनोज सिंह, पृथ्वीराज चौहान, अनु बेक, दिनेश चंद्र प्रमाणिक समेत अन्य लोग मौजूद थे।

रांची होमगार्ड बहाली : सफल अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन शुरू

रांचीः राजधानी में होमगार्ड बहाली के लिए सफल अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन आज से शुरू हो गया है, जो 12 सितंबर तक चलेगा। धुर्वा स्थित झारखंड होम गार्ड के सेंट्रल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में सुबह 10 बजे से वेरिफिकेशन की प्रक्रिया चल रही है। जिला समादेष्टा कार्यालय की ओर से जारी दस्तावेज सत्यापन कार्यक्रम में अलगःअलग प्रखंड के अभ्यर्थियों के लिए अलग-अलग तारीख तय की गई है। सफल अभ्यर्थियों को अपनी तय तारीख पर सभी मूल दस्तावेजों के साथ पहुंचना होगा। इसके अलावा 4 पासपोर्ट साइज फोटो भी साथ लाना जरूरी है।

27 अगस्त को रांची में भारी बारिश की चेतावनी

बंगाल की खाड़ी में बना लो-प्रेशर सिस्टम, 7 दिनों तक राज्यभर में होगी बारिश

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे इलाकों के ऊपर लो प्रेशर एरिया बनने की वजह से झारखंड में एक बार फिर मानसून पूरी तरह सक्रिय होने जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार अगले एक सप्ताह तक पूरे राज्य में बादल छाए रहेंगे और अधिकांश हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी। लेकिन, 24 से 27 अगस्त के बीच राज्य के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश, गर्जन के साथ वज्रपात का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 27 अगस्त को रांची में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

ऐसा रहेगा अगले 6 दिन मौसम का मिजाजः 24 अगस्त को उत्तर-पश्चिमी (पलामू, गढ़वा, लातेहार), दक्षिण-पश्चिमी (गुमला, सिमडेगा, प सिंहभूम) और मध्य जिलों (लोहरदगा, खूंटी) में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना। अन्य क्षेत्रों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी।

25 अगस्त को दक्षिण-पश्चिमी (गुमला, सिमडेगा, प। सिंहभूम) और निकटवर्ती मध्य भाग (खूंटी) में भारी बारिश की संभावना है। अन्य जिलों में तेज हवा और मध्यम दर्जे की बारिश होगी।

26 अगस्त को उत्तर-पश्चिमी, दक्षिण-पश्चिमी और मध्य जिलों में भारी वर्षा का अनुमान है। कई क्षेत्रों में गर्जन के साथ वज्रपात भी हो सकता है। यलो अलर्ट जारी किया गया है।

27 अगस्त को रांची, बोकारो, हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमा, धनबाद सहित चतरा और गिरिडीह में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

28 व 29 अगस्त को राज्य के अनेक स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा जारी रहेगी। 30 अगस्त के बाद आसमान साफ होने की संभावना है।

कोयला कारोबारी एलबी सिंह की पत्नी को ईडी का दूसरा समन, साला रहा अनुपस्थित

रांचीः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी समन के आलोक में एलबी सिंह का साला रंजीत सिंह पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुआ। उसे 24 अगस्त को हाजिर होने के लिए समन जारी किया गया था। ईडी ने चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह की पत्नी को दूसरा समन जारी कर 27 अगस्त को पूछताछ के लिए रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश दिया गया है।

ईडी ने एलबी सिंह के साले को दूसरा समन जारी कर 24 अगस्त को पूछताछ के लिए हाजिर होने का निर्देश दिया था। लेकिन वह आज पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुआ। समाचार लिखे जाने तक उसके द्वारा ईडी से समय मांगे जाने की भी सूचना नहीं है। ईडी द्वारा जारी किये गये पहले समन पर उनसे एक महीने के समय मांगा था।

लेकिन ईडी ने उसके अनुरोध को अस्वीकार करते हुए 24 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया था। एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह को दूसरा समन जारी कर ईडी ने 27 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया है। ईडी ने पहला नोटिस जारी कर आरती सिंह को 20 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया था। लेकिन उन्होंने हाजिर होने के बदले 10 दिनों का समय मांगा था। इसपर विचार के बाद ईडी ने दूसरा समन जारी कर 27 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया है।

राज्यपाल से मिले वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले बच्चे

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से आज लोक भवन, रांची में नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 1 से 4 अगस्त, 2026 तक आयोजित 18वीं वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप-2026 में झारखण्ड का प्रतिनिधित्व करने वाले पदक विजेता खिलाड़ियों ने भेंट की। राज्यपाल महोदय ने पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए पदक प्राप्त करना खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों से आगे भी इसी समर्पण के साथ खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश एवं झारखण्ड का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

उक्त अवसर पर कोच विश्वजीत कुमार के साथ प्रतिभागी लखन उराँव, आरित उराँव, अध्विक उराँव, ईशान भगत एवं कुमकुम विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

रांची में धरना-प्रदर्शन व रैली के लिए अब पहले लेनी होगी अनुमति, प्रशासन ने जारी की नई गाइडलाइन

रांचीः राजधानी रांची में धरना-प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली और आमसभा करने वालों को अब कार्यक्रम से पहले प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। जिला प्रशासन ने रविवार को इस संबंध में जरूरी सूचना जारी की है।

प्रशासन ने कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी तरह के कार्यक्रम के आयोजन के लिए अनुमंडल पदाधिकारी रांची सदर या बुंडू की ओर से तय प्रक्रिया का पालन करना होगा। आयोजकों को कार्यक्रम से पहले इसकी जानकारी प्रशासन को देनी होगी।

जुलूस और रैली के लिए आयोजकों को प्रस्तावित रूट, कार्यक्रम की तारीख, शुरू होने और खत्म होने का समय और संभावित लोगों की संख्या बतानी होगी। जरूरत पड़ने पर कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रमुख लोगों की जानकारी भी प्रशासन को देनी होगी।

जिला प्रशासन के अनुसार, कई जगहों पर बिना पूर्व सूचना के धरना, प्रदर्शन, जुलूस और रैली आयोजित किए जा रहे हैं। इससे कई बार यातायात प्रभावित होता है और आम लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। साथ ही कानून-व्यवस्था और लोगों की सुरक्षा को लेकर भी समस्या पैदा हो सकती है। प्रशासन ने कहा कि शांतिपूर्ण धरना और विरोध प्रदर्शन करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन इसका इस्तेमाल सार्वजनिक व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात और दूसरे लोगों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए कानून के अनुसार करना जरूरी है।

प्रशासन ने साफ किया कि पहले से अनुमति लेने की व्यवस्था का उद्देश्य शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक कार्यक्रमों को रोकना नहीं है। इसका मकसद कार्यक्रम में शामिल लोगों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात को बेहतर तरीके से संभालना है। जिला प्रशासन ने राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, संस्थाओं और आम लोगों से अपील की है कि किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए तय नियमों का पालन करें। कार्यक्रम से जुड़ी जरूरी जानकारी समय पर प्रशासन को दें और यातायात तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। प्रशासन ने छात्रों और आम नागरिकों से भी अपील की है कि किसी कार्यक्रम में शामिल होने से पहले आयोजकों से उसकी अनुमति और प्रशासन की ओर से तय शर्तों की जानकारी जरूर लें।

दिनचर्या और आहार पर योग मित्र मंडल की ऑनलाइन परिचर्चा

मेट्रो रेज

रांचीः योग मित्र मंडल, रांची, बिहार स्कूल ऑफ योग, मुंगेर, बिहार से संबद्ध, द्वारा दिनचर्या और आहार विषय पर ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों के विचार सुने।

परिचर्चा में मुख्य वक्ता के रूप में विप्र महाविद्यालय, रायपुर की सहायक प्रोफेसर डॉ रंजना मिश्रा (पीएचडी, योग) एवं शासकीय आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, रायपुर की डॉ प्रज्ञा मिश्रा (एमडी, आयुर्वेद) ने दिनचर्या, आहार और स्वस्थ जीवनशैली के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के प्रारंभ में योग मित्र मंडल, रांची की डॉ परिणीता सिंह ने परिचर्चा की रूपरेखा एवं उद्देश्य की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरूआत शांति पाठ से हुई। योग मित्र मंडल के अध्यक्ष रामकुमार कटारिया ने योग मित्र मंडल एवं बिहार स्कूल ऑफ योग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि बिहार स्कूल ऑफ योग ने पूरी दुनिया में योग की अलख जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

पांचों इंद्रियों से ग्रहण किया गया विषय भी है आहारः डॉ रंजना मिश्रा ने आहार की व्यापक अवधारणा को समझाते हुए कहा

कि केवल मुख से ग्रहण किए जाने वाले भोजन को ही आहार नहीं कहा जाता, बल्कि पांचों इंद्रियों के माध्यम से हम जो कुछ ग्रहण करते हैं, वह भी आहार का ही हिस्सा है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को ऋतु के अनुसार आहार लेना चाहिए।

शाकाहार और मांसाहार के संदर्भ में उन्होंने शाकाहारी भोजन को पाचन तंत्र के लिए लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि सात्त्विक, शुद्ध एवं संतुलित आहार को जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए।

दिनचर्या पर प्रकाश डालते हुए डॉ रंजना ने कहा कि दिन की शुरूआत ईश्वर वंदना से करनी चाहिए। इसके बाद दैनिक क्रियाओं का पालन करते हुए नियमित रूप से टहलना एवं शारीरिक गतिविधियां करना आवश्यक है। उन्होंने शाम के बाद भोजन करने से बचने की सलाह भी दी।

जैसा खाया अन्न, वैसा पाया मनः डॉ प्रज्ञा मिश्रा ने आहार और मन के संबंध को स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रसिद्ध कहावत जैसा खाया अन्न, वैसा पाया मन आहार और मानसिक स्थिति के गहरे संबंध को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि शरीर का मेटाबॉलिज्म जितना बेहतर होगा, पाचन क्रिया भी उतनी ही अच्छी होगी।

उन्होंने कहा कि केवल अच्छा आहार लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्वस्थ आहार के साथ सही जीवनशैली भी जरूरी है। यदि आहार अच्छा है, लेकिन जीवनशैली असंतुलित है, तो शरीर पूरी तरह स्वस्थ नहीं रह सकता। उन्होंने स्नान से पूर्व तेल मालिश को भी दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया। ऋतुचर्या की चर्चा करते हुए डॉ प्रज्ञा ने बताया कि सामान्यतः गर्मी के मौसम में दिन में सोना उचित माना जाता है। वर्षा ऋतु में पाचनाग्नि मंद होने के कारण उन्होंने हल्का, ताजा एवं गर्म भोजन लेने की सलाह दी।

उन्होंने विरुद्ध आहार से बचने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि भोजन के ऐसे संयोजन, जो पाचन के लिए अनुकूल न हों, शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कुछ खाद्य पदार्थों के अनुचित संयोजन से बचने की सलाह दी और बताया कि विरुद्ध आहार का प्रभाव त्वचा संबंधी समस्याओं के रूप में भी दिखाई दे सकता है।

मोबाइल स्क्रीन टाइम और पाचन का संबंधः डॉ प्रज्ञा मिश्रा ने आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते मोबाइल स्क्रीन टाइम को भी स्वास्थ्य से जोड़ते हुए प्रतिभागियों को स्क्रीन टाइम कम करने तथा संतुलित दिनचर्या अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए दिनचर्या में योग को शामिल करना आवश्यक है। नियमित योगाभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के साथ मानसिक परेशानियों को कम करने में भी सहायता मिल सकती है। कार्यक्रम में रांची एवं झारखंड के अलावा देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े। परिचर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के बीच स्वस्थ आहार, संतुलित दिनचर्या और योग आधारित जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया। परिचर्चा का संचालन प्रीति गुप्ता के द्वारा किया गया।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

एक खत्म, दूसरा शुरू

झारखंड में करीब 25 दिन तक चले छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विवादित कंपनी टीडीपीएल के संचालन में हुई जेपीएससी-14, जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की। साथ ही घोषणा कर दी कि जेपीएससी 11 व 13 की भी जांच की जाएगी। इसके अलावा परीक्षाओं के घोषित परिणाम भी रद्द करने का ऐलान कर दिया गया। यानी टीडीपीएल के माध्यम से जो भी अभ्यर्थी चुने गए, उनका चयन भी रद्द कर दिया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सचिवालय में ग्यारह मंत्रियों के साथ इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श किया। छात्र आंदोलन के दबाव में काम कर रही राज्य सरकार की कैबिनेट बैठक करीब साढ़े चार घंटे तक चली। दरअसल, छात्रों के कई खेमे अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत थे। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार जिन परीक्षाओं को रद्द किया गया,उनमें चौदहवीं जेपीएससी सिविल सेवा रेगुलर, जेपीएससी बैकलॉग 2023, जेपीएससी बैकलॉग 2025, फॉरेस्ट रेंज अफसर, सहायक वन संरक्षक और सिविल जूनियर आदि की नियुक्तियां शामिल हैं। दरअसल, इन परीक्षाओं का संचालन जेपीएससी के माध्यम से किया गया। वहीं दूसरी ओर सीजीएल परीक्षा से चयनित 1975 लोगों की नौकरियां भी अब समाप्त मानी जाएंगी। सरकार ने वायदा किया है कि वर्ष 2014 के बाद हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं की जांच भी की जाएगी। यह जांच कार्य एक न्यायिक आयोग करेगा। बाकायदा एक आईएएस अधिकारी की अध्यक्षता में सुधारों के लिये एक कमेटी भी बनायी गई है। हालांकि, कुछ आंदोलनकारी छात्र सीबीआई जांच की मांग पर अड़े हैं। हालांकि, सरकार की घोषणा के बाद छात्रों का आंदोलन तो खत्म हो गया, लेकिन इस घोषणा के बाद सचिवालय परिसर में उन नियुक्त प्रतिभागियों की भीड़ जुट गई, जो जेएसएससी के माध्यम से परीक्षा उतीर्ण करके नौकरी हासिल कर चुके थे। सरकार की घोषणा के तुरंत बाद विभिन्न चयनित प्रतिभागियों का हुजूम सचिवालय में जमा होना शुरू हुआ। उनके लिये यह खबर स्तब्ध करने वाली थी। उनका दुख और गुस्सा स्वाभाविक ही है। बहरहाल, अब राज्य सरकार के खिलाफ झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा में चयनित होने के बाद हटाये गए लोगों ने मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री एक बयान देकर दो हजार लोगों को सरकारी नौकरी से कैसे निकाल सकते हैं? वे इसे सरकारी अन्याय बता रहे हैं। उनकी दलील है कि हम सुबह नौकरी पर थे,लेकिन शाम होते ही हमें नौकरी से हटा दिया गया। उनका कहना था कि कोर्ट के आदेश के बाद ही हमें नौकरी मिली है। उल्लेखनीय है कि जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा दिसंबर 2023 में आयोजित हुई थी। लेकिन पेपर लीक होने के बाद परीक्षा सितंबर 2024 में फिर से हुई। फिर पेपर लीक की आशंका के बीच मामला अदालत पहुंचा। कोर्ट के आदेश के बाद परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था। साथ ही तीस दिसंबर को सफल प्रत्याशियों को बाकायदा नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दे दिए गए। अब सरकार द्वारा ये नियुक्तियां रद्द करने से प्रतिभागी बदहवास हैं क्योंकि कई लोगों ने लोन लेकर अपना जीवन स्तर सुधारा, उनकी बैंक की किश्तें जा रही हैं। अब उनकी आंखों के सामने अंधेरा है। उनकी मांग है कि सरकार कायदे से जांच कर ले, लेकिन उन्हें नौकरी से न हटाए। सभी लोग धांधली से भर्ती नहीं हुए हैं। उनका तर्क है कि भीड़ के दबाव में निर्दोष लोगों को सजा नहीं दी जा सकती। हटाये गए कर्मचारियों की आंखें नम हैं। उनमें कई लोग ऐसे हैं जो अपनी दूसरी नौकरियां छोड़कर सरकारी नौकरी के प्रलोभन में आए। दुखी व हताश हटाये गए कर्मचारी बारिश में धरने पर बैठे रहे क्योंकि उन्हें अधिकारियों ने सचिवालय से बाहर कर दिया था। वहीं दूसरी ओर हटाए गए कर्मियों के घर वाले भी सदमे में हैं। राज्य सरकार भी मुश्किल में है क्योंकि सीबीआई जांच की मांग कर रहे छात्रों की दलील है कि उनका आंदोलन अभी समाप्त नहीं हुआ है। वहीं सरकार के सामने हटाये गए अधिकारियों व कर्मचारियों का नया मोर्चा खुल गया है। हटाये गए कर्मचारी इस फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई की तैयारी कर रहे हैं। वे सरकार के लिखित आदेश की प्रतीक्षा में

हेल्थकेयर की चुनौतियां

यह विडंबना ही है कि देश में कभी भी सत्ताधीशों की प्राथमिकता सरकारी चिकित्सा-तंत्र को सक्षम बनाने की नहीं रही है। किसी भी चुनाव में स्वास्थ्य सुविधाओं को समृद्ध बनाना राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल नहीं रहा। जनता भी हर आम परिवार से जुड़े सेहत के मुद्दे को जोर-शोर से उठाने में चूकती रही है। यही वजह है कि आज भी कुल मिलाकर देश के करोड़ों लोगों के लिये सस्ती व पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच से बाहर हैं। अपने परिजनों के गंभीर रोगों के उपचार के लिये क्षमता से अधिक पैसा जुटाने के फेर में हजारों परिवार हर साल गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। यह गंभीर स्थिति सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में हेल्थकेयर पर बनी संसदीय समिति की हालिया रिपोर्ट साफ तौर पर दशार्ती है। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के 2025 के सर्वे का हवाला देते हुए संसदीय समिति ने पाया है कि सरकारी सुविधाओं में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीज का औसत खर्च 6,631 रुपये है, जबकि प्राइवेट में यह खर्च 50,508 रुपये है। निजी अस्पताल में होने वाला यह औसत खर्च सरकारी अस्पताल में होने वाले खर्च के मुकाबले सात गुना से भी अधिक है। जो चिकित्सा सुविधाओं में व्याप्त व्यापक विसंगतियों को ही दशार्ता है। यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है कि निजी अस्पताल अब साठ फीसदी से ज्यादा मरीजों को अस्पताल में भर्ती करते हैं और 70 फीसदी आउट पेशेंट की देखभाल करते हैं। विडंबना यह है कि सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं का अभाव लगातार बना रहता है। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी मरीज महसूस करते हैं। सरकारी अस्पताल की सुविधाओं में बेड, उपकरण, दवाइयां और कुशल स्टाफ की कमी देखी जाती है। मरीज को भरोसा नहीं होता है कि उसे जरूरी इलाज सरकारी अस्पताल में मिल भी पायेगा। एक संकट यह भी है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों का दबाव बहुत ज्यादा होता है। उसके मुकाबले चिकित्सक उपलब्ध नहीं होते हैं। वहीं दूसरी ओर निजी अस्पतालों में चिकित्सकों की अच्छी आय और निजी प्रैक्टिस का सम्मोहन भी योग्य डाक्टरों को सरकारी अस्पतालों से विमुख बनाता है। यही वजह है कि पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में मरीजों को निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिये बाध्य होना पड़ता है। दरअसल, उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता, अब चाहे उनकी पैसा देने की क्षमता हो या न हो। लोगों की चिकित्सा इमरजेंसी की चिंता की वजह से स्वास्थ्य बीमा का बड़ा कारोबार देश में फल-फूल रहा है। जिसमें मरीजों को कम व बीमा कंपनियों और निजी अस्पतालों को ज्यादा मुनाफा हो रहा है। यही वजह है कि आज हेल्थकेयर सिस्टम में इलाज की सुविधा परिवार की आमदनी पर बहुत ज्यादा निर्भर हो जाती है। इसके चलते ही संसदीय पैनल की यह बात खास तौर पर चिंताजनक है कि अस्पताल में भर्ती होने का औसत बिल 37,858 है, जिसमें से मरीज अपनी जेब से लगभग 34,064 रुपये खर्च करते हैं। हालांकि, कुल बिल में अपनी जेब से होने वाला खर्च 2014 के 62.6 फीसदी से घटकर 2022-23 में 43.4 फीसदी हो गया है। इसके बावजूद 10-13 फीसदी की मेडिकल महंगाई का असर परिवारों के बजट पर अब भी पड़ रहा है। लेकिन सरकारी सुविधाओं में आ रही गिरावट को टाला न जा सकने वाला मान लेना भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। शासन-प्रशासन की प्राथमिकता सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की होनी चाहिए। निस्संदेह, संसदीय समिति की सिफारिशें सही दिशा की ओर संकेत देती हैं। इसमें छोटे और ग्रामीण अस्पतालों के लिये लक्षित सहायता, पारदर्शी इलाज पैकेज, बीमा दरों की समय-समय पर समीक्षा, मध्यम आय वाले वर्ग के लिये किफायती बीमा सुविधा, जेनेरिक दवाइयों तक मरीजों की व्यापक पहुंच बनाने तथा शहरों से परे मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया गया है।

वन्दे मातरम पर कांग्रेस फिर बेनकाब

संसद सत्र के अंतिम दिन लोकसभा में पहली बार संपूर्ण वंदे मातरम का गायन किया गया। वहीं, 80 वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने लंबे कालखंड के पश्चात लाल किले की प्राचीर से प्रथम बार संपूर्ण वंदेमातरम का गायन हुआ। कांग्रेस पार्टी ने पिछले वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के मुख्य कार्यक्रम का बहिष्कार किया अपितु वंदे मातरम के अपमान में भी कोई कसार नहीं छोड़ी। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय से स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का एक वीडियो आया है, जिसमें सोनिया गांधी वंदे मातरम के गायन पर बाधा उत्पन्न करती दिखाई दे रही हैं। बाद में राहुल गाँधी भी यही करते दिखाई दिए।

मृत्युंजय दीक्षित

संसद के मानसून सत्र में राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन-गण-मन के समान दर्जा देने वाला, ह्लराष्ट्रीय सम्मान के अपमान के रोकथाम संशोधन विधेयकझ 2026ह्ल संसद के दोनों सदनों से पारित होने के पश्चात राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से कानून बन चुका है। कानून के अंतर्गत राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रगीत में भी बाधा डालने या इसका अपमान करने को आपराधिक कृत्य माना जाएगा। अभी तक राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम 1971 में देश के राष्ट्रीय प्रतीकों- राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान का अनादर या अपमान करना ही अपराध की श्रेणी में था जिसके लिये तीन साल तक की जेल की सजा का प्रावधान था। 2026 संशोधन के माध्यम से इसमें वंदेमातरम को भी शामिल कर लिया गया है।द संशोधन विधेयक के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर किसी को राष्ट्रगीत गाने से रोकता है तो अपराधी माना जाएगा। राष्ट्रगीत गा रहे किसी सभा या समूह में बाधा या अशांति उत्पन्न करना पूरी तरह प्रतिबंधित है। धारा-3 के अंतर्गत दोषी पाए जाने वाले को तीन वर्ष तक की जेल अथवा जुमार्ना या दोनों सजा हो सकती है। दोबारा अपराध करने पर कम-से-कम 1 वर्ष की न्यूनतम जेल की सजा का प्रावधान भी है। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक प्रस्तुत करते समय कहा कि वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है इसलिए इसे भी राष्ट्रगान की तरह ही कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए। संसद सत्र के अंतिम दिन लोकसभा में पहली बार संपूर्ण वंदे मातरम का गायन किया गया। वहीं, 80 वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने लंबे कालखंड के पश्चात लाल किले की प्राचीर से प्रथम बार संपूर्ण वंदेमातरम का गायन हुआ। कांग्रेस पार्टी ने पिछले वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के मुख्य कार्यक्रम का बहिष्कार किया अपितु वंदे मातरम के अपमान में भी कोई कसार नहीं छोड़ी। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय से स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का एक वीडियो आया है, जिसमें सोनिया गांधी वंदे मातरम के गायन पर बाधा उत्पन्न करती दिखाई दे रही हैं। बाद में राहुल गाँधी भी यही करते दिखाई दिए। जब देश में कांग्रेस द्वारा वन्दे मातरम के अपमान पर व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए तथा अनेक शहरों में नए कानून के अंतर्गत शिकायतें दर्ज होने लगीं, तब कांग्रेस ने अपनी सफाई में कहा कि सोनिया गांधी ने मल्लिकार्जुन खरगे के लिए कुर्सी मंगवाई थी। ऐसा ही घटनाक्रम पणजी में घटित हुआ जहां कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने स्पष्ट कर दिया कि वह वही राष्ट्रगीत गाएंगे जिसे 1937 में महात्मा गांधी, सरदार पटेल और जवाहर लाल नेहरू ने गाया था। कांग्रेस कार्यसमिति ने भी स्पष्ट कर दिया है कि हम 1937 वाला राष्ट्रगीत ही गाएंगे भले ही हमें जेल में डाल दिया जाए। कांग्रेस के इस लज्जाजनक व्यवहार के बाद राष्ट्रगीत वंदे मातरम को लेकर एक बार फिर घमासान छिड़ गया है। मुस्लिम तुष्टिकरण वाले दल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अपना अलग ही तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं, उनका कहना है कि वन्दे मातरम इतना कठिन और लंबा है कि कोई इसे गा ही नहीं सकता। वंदे मातरम गीत की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में की थी जिसे बाद में उन्होंने अपने प्रसिद्ध उपन्यास आनंद मठ में स्थान दिया। प्रारंभ में यह रचना बंग दर्शन पत्रिका में उपन्यास के धारावाहिक प्रकाशन में प्रकाशित हुई। पुस्तक रूप में 1882 में आनंद मठ उपन्यास बांग्ला भाषा में प्रकाशित हुआ। वंदेमातरम गीत को स्वर प्रदान किया था यदु भट्ट ने तथा 1896 में कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने यह गीत गाया था। आनंद मठ उपन्यास का भाव सनातन धर्म है और उसी के अनुरूप उसका कथानक विकसित हुआ। देशभक्ति के जिस धर्म का प्रतिपादन बंकिम ने किया है उसका मूलमंत्र देश की माँ के रूप में वंदना और देशवासियों की संतान के रूप में उसके हितार्थ सर्वस्व अर्पण की उत्सुकता है। इसी भाव ने वंदे मातरम को भारत में राष्ट्रभक्ति मन्त्र बनाया है। ऐसे महान राष्ट्रगीत का कांग्रेस पार्टी 1937 से केवल मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण अपमान करती चली आ रही है। कांग्रेस ने 1937 में मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए वंदे मातरम के केवल दो छंद गाने का जो काला अध्याय शुरू किया था वह आज भी उसी अध्याय पर खड़ी है। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस में कभी पूरा वंदे मातरम गाया ही नही गया। दिसंबर 1906 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में स्वयं रवींद्रनाथ ने पूरा वंदेमातरम गाते हुए पूर्ण स्वराज्य की घोषणा की थी। जिसे दादाभाई नौरोजी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में घोषित किया किंतु गोपाल कृष्ण गोखले को यह विचार पसंद नही आए और उन्होंने कांग्रेस अधिवेशन का बहिष्कार कर दिया। 1907 अधिवेशन के पश्चात कांग्रेस में राष्ट्रवादियों का स्थान समाप्त हो गया। वंदे मातरम गायन का विरोध 28 दिसम्बर 1923 में कांग्रेस के काकिनाडा सम्मेलन में मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने किया था। 1937 की प्रांतीय विधान सभाओं में जहां भी राष्ट्रगीत का गायन हुआ तो मुस्लिम सदस्यों ने आपत्ति उठाई। 1937 में इस विषय पर विचार करने के लिए एक समिति बनाई गई जिसमें सुभाष, नेहरू, नरेंद्र देव शामिल हुए। समिति की ओर से सुभाष के निवेदन पर रवींद्रनाथ ने वंदेमातरम का समर्थन किया था। यह समिति अंत तक वंदे मातरम के समर्थन में ही रही किंतु जब मुस्लिम लीग ने 1908 के अमृतसर सम्मेलन में तय कर लिया कि उसे राष्ट्रगीत वंदे मातरम, रक्षाबंधन और शिवाजी जयंती जैसे पर्व स्वीकार्य नहीं हैं तब कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के दबाव में आकर 26 दिसंबर 1937 के प्रस्ताव में स्पष्ट किया कि उसने कभी भी वंदे मातरम को स्वीकार नहीं किया है। कांग्रेस आज भी वहीं ठहरी हुई है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्कूलों में छात्राओं से छेड़खानी

विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती; पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है।

विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है। किसी भी विद्यालय की प्रतिष्ठा बच्चों की सुरक्षा से बड़ी नहीं हो सकती। शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता मूलतः विश्वास पर आधारित होता है। एक शिक्षक के पास ज्ञान के साथ-साथ अधिकार भी होता है। छात्र शिक्षक की बात को स्वाभाविक रूप से महत्व देता है और कई बार उसे अपने माता-पिता के बाद सबसे विश्वसनीय वयस्क मानता है। यही कारण है कि यदि कोई शिक्षक इस विश्वास और अधिकार का दुरुपयोग करता है तो बच्ची के लिए विरोध करना आसान नहीं होता। किशोरावस्था में बच्चे कई बार यह समझ ही नहीं पाते कि किसी वयस्क का व्यवहार सामान्य है या अनुचित। डर, शर्म, सामाजिक दबाव, परीक्षा और भविष्य को लेकर चिंता तथा यह भय कि उनकी बात पर विश्वास किया जाएगा या नहीं- उन्हें शिकायत करने से रोक सकते हैं। इसलिए केवल यह पूछना पर्याप्त नहीं कि ह्लबच्ची ने पहले शिकायत क्यों नहीं की?ह्ल असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या विद्यालय ने ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया है जिसमें बच्ची बिना डर अपनी बात कह सके?

ऐसे मामलों में सबसे खतरनाक तत्व अक्सर चुप्पी होती है। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत नहीं करना चाहते। कुछ लोग यह सोचकर मामले को दबा देते हैं कि बच्ची की पढ़ाई प्रभावित होगी। विद्यालय प्रशासन भी कभी-कभी संस्थान की छवि खराब होने की चिंता में शिकायत को आंतरिक स्तर पर समाप्त करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन ऐसी चुप्पी गलत व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। यदि किसी बच्ची की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो उसे यह संदेश मिल सकता है कि उसकी सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण संस्थान की प्रतिष्ठा है। यह संदेश किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को यह समझना होगा कि शिकायत करना बदनामी नहीं बल्कि सुरक्षा की दिशा में उठाया गया कदम है। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कानून तथा संस्थागत नियमों के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विद्यालय प्रशासन की भूमिका केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान उचित सत्यापन, स्पष्ट आचार-संहिता, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार के नियम तथा शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक है।

विद्यालयों में बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि अच्छा और अनुचित स्पर्श क्या होता है, असहज व्यवहार की पहचान कैसे करें और किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी कैसे दें। यह शिक्षा केवल छात्राओं के लिए नहीं बल्कि सभी बच्चों के लिए होनी चाहिए। उन्हें यह भी समझाया जाना चाहिए कि किसी भी अनुचित व्यवहार के लिए वे स्वयं जिम्मेदार नहीं हैं। स्कूलों में ऐसी शिकायत व्यवस्था होनी चाहिए जहां बच्चा बिना भय के अपनी बात रख सके। महिला शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर या अन्य विश्वसनीय वयस्क की उपलब्धता इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत में बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए ढडउरड अूः, 2012 मौजूद है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ यौन अपराधों के मामलों में यह कानून महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों और उनके कर्मचारियों को इस कानून की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है। किसी गंभीर शिकायत को केवल ह्लविद्यालय का आंतरिक मामलाह्ल मानकर दबा देना उचित नहीं है। मामले की प्रकृति के अनुसार सक्षम अधिकारियों को सूचना और सहयोग देना आवश्यक हो सकता है। कानूनी प्रक्रिया का उद्देश्य केवल आरोपी को दंडित करना नहीं, बल्कि पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, गरिमा और अधिकारों की रक्षा करना भी है। समाज में आज भी कई बार ऐसी घटनाओं के बाद सवाल बच्ची के व्यवहार, कपड़े, समय, दोस्ती या सोशल मीडिया गतिविधियों पर उठाए जाते हैं। यह सोच गलत और नुकसानदायक है। किसी बच्ची का पहनावा, उसकी बातचीत या उसका किसी शिक्षक पर विश्वास किसी वयस्क को अनुचित व्यवहार का अधिकार नहीं देता। जिम्मेदारी उस व्यक्ति की है जो अपनी स्थिति, उम्र और अधिकार का दुरुपयोग करता है। बच्चियों को सुरक्षा के नाम पर डराने के बजाय उन्हें आत्मविश्वास देना होगा। उन्हें यह भरोसा मिलना चाहिए कि यदि कोई व्यक्ति उन्हें असहज करता है तो वे बिना शर्म और भय के अपनी बात कह सकती हैं। अधिकांश शिक्षक पूरी ईमानदारी और समर्पण से बच्चों का भविष्य बनाते हैं। इसलिए कुछ लोगों के कथित या सिद्ध गलत आचरण का दाग पूरे शिक्षक समुदाय पर लगाना उचित नहीं है। लेकिन इसी कारण शिक्षकों के पेशेवर आचरण की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। शिक्षक के पास बच्चों के साथ लगातार संपर्क होता है। इसलिए उसे सीमाओं और पेशेवर मयार्दाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। व्यक्तिगत संदेश, अनुचित टिप्पणी, अनावश्यक शारीरिक संपर्क या एकांत में बुलाने जैसी स्थितियों को लेकर विद्यालयों में स्पष्ट नियम होने चाहिए। शिक्षक का व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिसमें सम्मान, समानता और सुरक्षा की भावना दिखाई दे। विद्यालय प्रशासन को स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का यौन या अनुचित व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। लेकिन ह्लजीरो टॉलरेंसह्ल का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि बिना जांच किसी पर कार्रवाई कर दी जाए। इसका सही अर्थ है- हर शिकायत को गंभीरता से लेना, निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाना, बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करना और जांच के निष्कर्ष के आधार पर उचित कार्रवाई करना। शिकायत मिलने पर विद्यालय को आरोपी शिक्षक और छात्रा के बीच ऐसी परिस्थितियों को रोकना चाहिए जिनसे बच्ची पर दबाव पड़े या उसकी सुरक्षा प्रभावित हो। जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने, गवाहों को डराने या शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने जैसी किसी भी कोशिश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

आस्था का खजाना और मन्नत के ताले

सनातन धर्म में श्रावण मास भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पावन, पुण्यदायी और श्रेष्ठ माना जाता है। यही कारण है कि श्रावण मास प्रारंभ होते ही गांव, कस्बों और नगरों में स्थापित शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना और अनुष्ठान करने वालों की भारी भीड़ एकत्र होने लगती है। अधिकांश मंदिर भगवान शंकर के विभिन्न रूपों के अनुरूप विख्यात और मान्यता प्राप्त हैं, जहां लोग अपनी आस्था प्रकट करने और समस्याओं से निजात पाने के लिए जाते हैं।

सामान्य रूप से श्रद्धालु भगवान शिव को जल, अक्षत ? (चावल), पुष्प, बेलपत्र, भांग, धतूरा और दूध अर्पित कर पूजा करते हैं। तमाम श्रद्धालु इसी माह में अनुष्ठान के रूप में रुद्राभिषेक अथवा ह्यॐ नमः शिवायह्ल का जाप भी करवाते हैं।

प्रयागराज में स्थापित एक प्राचीन शिव मंदिर में पूजन और विविध प्रकार के अनुष्ठान के अतिरिक्त एक परंपरा सदियों से चली आ रही है, जिसके अंतर्गत लोग मंदिर में अपनी मन्नत पूरी होने की कामना के लिए ताले लगाते हैं और जब उनकी मन्नत पूरी हो जाती है तो आकर उन्हें खोल देते हैं। ताले लगाने की इस अनूठी परंपरा के कारण अब यह मंदिर ह्यताले वाले शिव मंदिरह्ल के रूप में विख्यात है।

नाथ संप्रदाय द्वारा स्थापित प्राचीन मंदिर

प्रयागराज के जिस शिव मंदिर में ताले लगाने की परंपरा है, उसका वास्तविक नाम नाथेश्वर महादेव मंदिर है। मंदिर के गर्भगृह में मुख्य रूप से भगवान शिव का एक छोटा-सा प्राचीन शिवलिंग विराजमान है। यह मंदिर नगर के सबसे प्राचीन मोहल्लों में से एक मुट्ठीगंज में स्थित है, जो व्यापारिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र है। यह मंदिर लगभग 500 वर्ष पुराना बताया जाता है। मंदिर की प्राचीनता को लेकर अलग-अलग दावे किए जाते हैं। तमाम श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यह शिव मंदिर वैदिक काल में नाथ संप्रदाय द्वारा देशभर में स्थापित किए गए कुछ प्रमुख शिव मंदिरों में से एक है, जिसके कारण इसका नाम नाथेश्वर मंदिर पड़ा। मंदिर के पुजारी कहते हैं कि मंदिर के गर्भगृह की स्थापना की प्राचीनता को लेकर कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है। यहां आने वाले तमाम श्रद्धालु बताते हैं कि उनके दादा और परदादा भी यहां पूजन करने आते रहे हैं। मंदिर से जुड़े लोग कहते हैं कि मंदिर का गर्भगृह अति प्राचीन काल से स्थापित है, लेकिन मंदिर का निर्माण संभवतः मुगल काल में किया गया था, क्योंकि मंदिर की दीवारों पर अरबी-फारसी भाषा में कुछ पंक्तियां लिखी हुई हैं।

मन्नत के लिए ताले की परंपरा

मंदिर में ताले लगाने की परंपरा कब शुरू हुई, यह कहीं लिपिबद्ध नहीं है। मंदिर के महंत बताते हैं कि नेपाल के काठमांडू में स्थित विश्वविख्यात शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान भगवान शिव के आदेश पर पहला ताला लगाया गया था। उसी के बाद मनोकामना पूर्ण होने की कामना के लिए ताले लगाने की परंपरा शुरू हो गई। अब यह परंपरा लगातार बढ़ती जा रही है। देश के अन्य मंदिरों में भी ताले लगाने की परंपरा शुरू हो गई है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

लोकहित संस्था की बैठक में साहिबगंज महाविद्यालय के विकास पर हुई चर्चा

साहिबगंज : लोकहित संस्था की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को संस्था के कार्यालय में अनुकूल चंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रंजीत कुमार सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।बैठक के दौरान संस्था के सदस्यों ने साहिबगंज महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए इसके विकास और उन्नति में हरसंभव सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया।इस अवसर पर ललित स्वदेशी,जयप्रकाश सिन्हा,गोपाल चोखानी,अनुकूल चंद्र मिश्रा, जनार्दन प्रसाद शाह,शंभूनाथ यादव एवं कालू यादव सहित अन्य सदस्यों ने अपने विचार रखे।इस दौरान साहिबगंज नगर परिषद के अध्यक्ष द्वारा महाविद्यालय परिसर में सफाई व्यवस्था,स्ट्रीट लाइट,शौचालय निर्माण एवं सड़क निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों के लिए पहल किए जाने की भी सराहना की गई।अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ.रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि साहिबगंज महाविद्यालय के भवनों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के लिए उन्होंने साहिबगंज के उपायुक्त से मिलकर आवश्यक सहयोग का आग्रह किया है।उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी ह्यबनफूलह्ण पत्रिका के प्रकाशन की योजना पर भी सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय,दुमका से बातचीत की जा रही है।प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं।साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं,भाषण प्रतियोगिताओं तथा अन्य शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन की भी योजना बनाई जा रही है।डॉ.रंजीत कुमार सिंह ने लोकहित संस्था के माध्यम से साहिबगंज के सभी नागरिकों से साहिबगंज महाविद्यालय के विकास कार्यों में अपने सुझाव एवं सहयोग देने की अपील की।बैठक में अनुकूल चंद्र मिश्रा,शंभूनाथ यादव,राम सुरेश यादव,पवन कुमार भगत,सुजीत मंडल काशीनाथ शर्मा,राजीव कुमार, ललित स्वदेशी,जनार्दन प्रसाद शाह,वकील प्रसाद मंडल,कालू यादव,प्रणव लाल,जयप्रकाश सिन्हा,गोपाल चोखानी,डॉ.रंजीत कुमार सिंह,राजीव निरंजन सिन्हा एवं कुलेन्दु प्रसाद उपस्थित थे।

गैर सरकारी निदेशक बनने पर गणेश तिवारी व महेंद्र पोद्दार को सम्मानित

साहिबगंज : भारत सरकार के कृषि बीमा कंपनी के गैर सरकारी निदेशक भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश तिवारी एवं कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण कॉर्पोरेशन के गैर सरकारी निदेशक महेंद्र पोद्दार को नियुक्त होने पर रविवार को अमख पंचायत भवन बड़ी धर्मशाला में भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में गणेश तिवारी व महेंद्र पोद्दार को राजमहल पूर्व विधायक अनंत ओझा, भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामानंद साह सहित भाजपा,भाजयुमो कार्यकताओं व गणमान्य लोगों ने अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।वही गणेश तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार ने केंद्र में साहिबगंज जिला को सम्मान दिया है। 2014 में केंद्र में एनडीए की सरकार बनी, उससे पहले साहिबगंज का विकास नहीं हुआ था। 2014 से अब तक साहिबगंज सहित देश भर में रेल, कृषि,इंफ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य क्षेत्र में काफी विकास हुआ है।हम सब साहिबगंज के विकास के लिए रेल आंदोलन सहित कई आंदोलन किए है,2014 के बाद रेल क्षेत्र में काफी विकास हुआ है।रेल दोहरीकरण, विद्युतीकरण,राजधानी एक्सप्रेस ठहराव सहित कई ट्रेन मिली। भारत सरकार ने हमको जो दायित्व दिया है उसपर खरा उतरूंगा भारत कृषि प्रधान देश है,साहिबगंज गंगा किनारे ओर पहाड़ के बीच बसा है।किसानों को हम सम्मान देंगे,जिला सहित प्रदेश के किसानों का फसल बीमा जो लंबित है उसको दिलाने का कार्य करेंगे। जिला में दियारा क्षेत्र के किसानों का सर्वे नहीं हुआ है,तो प्लॉट नंबर नहीं दर्शा पा रहे है। किसानों के इस समस्या को केंद्र सरकार के पास रखकर समस्या का समाधान करेंगे।किसानों के लिए हमेशा खड़ा रहूंगा।किसान की बाते ओर समस्याओं को केंद्रीय नेतृत्व के सामने रखूंगा और जिला ओर प्रदेश के किसानों का समस्याओं को समाप्त करूंगा।वही महेंद्र पोद्दार ने कहा कि केंद्र सरकार ने जो भी दायित्व दिया गया है उसपर खरा उतरूंगा। दिव्यांगजनों के साथ हमेशा खड़ा रहूंगा।वही पूर्व विधायक अनंत ओझा ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता होने के नाते जो मन में भाव ओर अनुभव है वो देश हित के लिए व्यापक बने, देश हित में कार्य आए।किसानों ओर आम जन का समस्या को दूर करे। भारत में मोदी की सरकार है, कार्यकर्ता अगर सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रहे है तो पीएम मोदी ओर केंद्रीय नेतृत्व का नजर हर एक कार्यकर्ता के सामाजिक कार्यों पर भी है।मंच संचालन प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामानंद साह ने किया।मौके पर प्रेमलाल मंडल उर्फ मंटा मंडल,प्रो कमल महावर,कुमारी गरिमा,अनंत सिन्हा,अमित पांडे,प्रमोद पांडे, कालिदास पाठक,सुनील भरतीया, राजेंद्र पोद्दार,सज्जन पोद्दार,डोली शर्मा,चांदनी देवी,सरिता देवी,अन्नू कुमारी,श्वेता श्रीवास्तव,सिंधु पांडे, अनंत सिन्हा,केशव तंबाकूवाला,भूलन दुबे,मंडल मुर्मू,चंद्रभान शर्मा,विनोद चौधरी, सलखु सोरेन,गौतम पंडित,शिवम शर्मा,जयप्रकाश सिन्हा,संजय पटेल, सिकंदर पोद्दार,मनोज यादव,अनुराग राहुल,सुनील सिंह,प्रकाश कुमार पंडित,प्रमोद झा,रविन्द्र दास,विक्रम दास सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बड़ी कदोरजनना गांव के लोग झोलाछाप डॉक्टर से इलाज करने को मजबूर, जिम्मेवार कौन

इस ओर जिला प्रशासन व विधायक का भी कोई नजर नहीं : ग्रामीण

संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड क्षेत्र के बड़ी कोदरजनना गांव पंचायत अम्बाडिया,गंगा प्रसाद पश्चिम मध्य,जैनतिग्राम पंचायत के क्षेत्र के लोगों को मलेरिया और वायरल फीवर से प्रभावित आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र कोदरजनना में सीएचओ का पद खाली रहने से आस पास गांव के लगभग छ गांव का लोग इलाज कराने से प्रभावित रहते है। मिली जानकारी के अनुसार कोदरजनना आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र में लगभग 2021 में सीएचओ राजेश कुमार यादव को पदस्थापित किया गया था।सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुआ कि कुछ दिन ड्यूटी करने के बाद सीएचओ राजेश कुमार यादव अपने सुविधा अनुसार सदर अस्पताल के एसएनसीयू में प्रतिनियुक्ति कराकर आराम फरमा रहे हे।जिससे कोदरजनना आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ का पद अभी खाली हो गया। जिस कारण वहां के आसपास के गांव बड़ी कोदरजनना,छोटी कोदरजनना, रोजानगर गांव, सहित अन्य छ गांव के लोग प्रभावित हो गए है। गांव के अल्पसंख्यक, अनुसूचित जनजाति,ओर अन्य ग्रामीणों लोगों जैसे मुखिया, वार्ड सदस्य,ग्रामीण के लोगों ने बताया कि गांव से कोदरजनना आयुष्मान आरोग्य मंदिर सीएचसी लगभग जनसंख्या 10 हजार बताया जा रहा हे।इस गांव में टायफायड, मलेरिया, वायरल फीवर, सर्दी-जुकाम सहित अन्य बीमारी होने पर मजबूरन झोला छाप डॉक्टर से इलाज कराते है यहां के अधिकतर महिलागण प्रसव धर पर ही ओर अन्य अगलबंगल के महिला को बुलाकर अपना प्रसव करवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। जिससे हमेशा खतरा बना रहता हैं। गांव के ग्रामीण एवं मुखिया,वार्ड सदस्य,सहित अन्य महिलाओं ने नाम न बताने के एवज में बताया कि कोदरजनना आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ का पद खाली रहने एवं पदस्थापित लगभग सात एएनएम अक्सर ड्यूटी समय में नदारद रहती है हमेशा ताला लटका हुआ रहता है।आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ,एनएनएम अक्सर गायब रहती है जिस कारण से मरीजों एवं महिलाओं को काफी परेशानी होती है। स्थिति यह है कि सभी सुविधाएं होने के बाद भी उप स्वास्थ्य केंद्र का लाभ उतना लोगों को नहीं मिल पा रहाहै। जितना लोगों को मिलना चाहिए। ग्रामीण इस संबंध में काफी आक्रोशित है।जिससे आसपास के गांव के लोग इलाज

कराने के लिए उप स्वास्थ्य केंद्र तो आते है लेकिन सीएचओ का पद खाली रहने एवं ताला लटका देख कर वापस लौट जाते है। खबर संकलन के दौरान हमने सुबह 12 बजे से 1 बजे के बीच उप स्वास्थ्य केंद्र में बाहर से ताला लटका हुआ पाया। इस उप स्वास्थ केंद्र में सीएचओ की मांग को लेकर कई बार गांव के मुखिया,सरपंच,बुद्धि जी भी और इस ग्रामीण इलाका के लोगों ने सिविल सर्जन एवं उपायुक्त को पत्र लिखकर दे चुका है ओर दो सिविल सर्जन स्थानांतरण भी हो चुका है उसके बाद भी इस ग्रामीण बहुल क्षेत्रों के लोगों ने कई बार विधायक ओर जिला प्रशासन को कह चुका उसके बाद भी सुनने बाला कोई नहीं है। इस क्षेत्र के लोगों के बारे में जिला प्रशासन मोन धारण करके बैठे हुए है। मुखिया और वार्ड सदस्य ने बताया कि सीएचओ नहीं रहने के कारण आसपास के कई गांवों के लोग प्रभावित है। मजबूरन झोला छाप डॉक्टर से इलाज कराते है। जिससे लोगों को हमेशा डर बना रहता हैं। अगर आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं उप स्वास्थ्य केंद्र में सीएचओ रहता तो छोटी-छोटी बीमारी का इलाज इसी उप स्वास्थ्य केंद्र में हो जाता यही उन्होंने सीएचओ की मांग की हैं ताकि लोगों प्राथमिक इलाज का सही लाभ मिल सके। यहाँ के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ राजेश कुमार यादव एवं एनएनएम नदारद रहने की बात पर बताया कि प्रतिदिन उन्हें उप स्वास्थ्य केंद्र खोलना चाहिए। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ महमूद आलम ने बताया कि कोदरजंन्ना उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए सीएचओ राजेश कुमार यादव पद के लिए सीएस से कई बार लिखित एवं मौखिक तौर पर मांग की गई है लेकिन अब तक उनकी मांगों को अनदेखी किया गया हैं।कोदरजंन्ना उप स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत 06 गांव आता है यह बिहार राज्य के भागलपुर जिला के सीमा क्षेत्र से जुड़ती अक्सर यह गांव मलेरिया एवं वायरल फीवर से प्रभावित होती है क्योंकि भागलपुर जिला के लोगों के साथ मिलना जुलना एवं आना जाना लगा रहता है जिस कारण मलेरिया, टायफायड एवं वायरल फीवर होते रहता है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा मलेरिया एवं वायरल फीवर का प्रकोप बढ़ने पर कैंप लगाकर इलाज किया जाता है। क्या कहते हे सदर सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ महमूद आलम, सदर सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ महमूद आलम ने बताया कि सीएचओ राजेश कुमार यादव ने मेरे साथ गलत व्यहवार करके दवाब बनाकर सदर प्रखंड सीएचसी से प्रोत्साहन राशि, ओर मोबाइल खर्च मेरे यहां से गलत ढंग से लिया गया हे,उन्होंने यह भी बताया कि न तो सदर प्रखंड आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ राजेश कुमार यादव यहां लगभग 2021 से कार्य नहीं कर रहे यह सीएचओ राजेश कुमार यादव सदर प्रखंड से प्रतिनियुक्ति सदर अस्पताल में कार्य कर रहे हे।उन्होंने यह भी बताया कि एक व्यक्ति को एक ही जगह से प्रोत्साहन राशि, ओर मोबाइल खर्च मिलता है।मगर यह व्यक्ति दो -दो जगह से प्रोत्साहन राशि, ओर मोबाइल खर्च ले रहे हैं।उन्होंने यह भी बताया कि मैने अपने उच्च अधिकारियों को अनेक बार पत्र में लिखकर अपने सीएचओ राजेश कुमार यादव,एवं एएनएम को वापस करने के लिए कहा गया है।मगर अभी तक न तो सीएचओ लौटाया है।बड़ी कोदरजनना आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्टॉप की कमी के चलते बड़ी कोदरजनना स्वास्थ्य केंद्रों के लोगों को स्वास्थ्य सेवा देने के लिए काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा हे। अखीर जाए तो जाए कहां यह बात भी सोचने वाली है।

बाढ़ की संभावित स्थिति को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट उपायुक्त ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे ने आज गुगल मीट के माध्यम से संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।ओझाटोली घाट पर गंगा का जलस्तर लगभग 27.25 मीटर दर्ज किया गया है, जो खतरे के निशान के समतुल्य है। आगामी 1झ2 दिनों में जलस्तर और बढ़ने की संभावना को देखते हुए उपायुक्त ने तत्काल फ्लड रिस्पांस मेजर्स लागू करने का निर्देश दिया।उन्होंने साहिबगंज, राजमहल एवं उधवा में राहत शिविर तैयार करने, स्वच्छ पेयजल, भोजन, सूखा राशन, दरी-गद्दा, प्रकाश एवं शौचालय, बच्चों के लिए बेबी मिल्क पाउडर तथा मवेशियों के लिए बिचाली-कुट्टी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। तटवर्ती एवं दियारा क्षेत्रों में माइकिंग कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए जागरूक करने को कहा गया। साथ ही तत्काल रसद-पानी का वितरण प्रारंभ करने का निर्देश दिया।उन्होने निर्देश दिया कि

स्थानीय मुखिया, जनप्रतिनिधियों एवं थाना प्रभारियों के माध्यम से प्रभावित लोगों से अपील की जाए कि वे सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर चले जाए।बचाव कार्य हेतु नावों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नावों में लाइफ जैकेट पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव एंटी-वेनम की पर्याप्त उपलब्धता एवं बोट एम्बुलेंस तैयार रखने को कहा गया। सभी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में दवा एवं आवश्यक चिकित्सकीय सामाग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी प्रकार के स्वास्थ्य आकस्मिकता की सूचना प्राप्त होते ही मेडिकल टीम बिना किसी विलंब के बोट ऐम्बुलेंस एवं जिला प्रशासन के मोटर बोट के माध्यम से प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे और आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए। पशुपालन पदाधिकारी को मवेशियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए पर्याप्त संख्या में मेडिकल टीम उपलब्ध रखने व नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।विस्थापित मवेशियों के लिए राहत केंद्र, शेड एवं चारे की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ ही गुमानी नदी के फाटकों से नियंत्रित तरीके से जल निकासी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया ताकि नदी के निचले हिस्सों में बाढ़ की संभावना कम हो सके।उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि संभावित बाढ़ की स्थिति में प्रशासन का प्रत्येक तंत्र अलर्ट मोड में रहे। सभी विभाग आपसी सामंजस्य, त्वरित निर्णय एवं बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें तथा प्रभावित लोगों तक राहत, बचाव, भोजन, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता जनजीवन की सुरक्षा है। किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में श्री विजय कुमार, अपर समाहर्ता, साहिबगंज, डॉ0 रामदेव पासवान, सिविल सर्जन, साहेबगंज, अमर जॉन आईन्द, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज, सदानन्द महतो, अनुमंडल पदाधिकारी, राजमहल, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, साहेबगंज, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, राजमहल, संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी सम्मलित हुए।

राजमहल गंगा क्षेत्र के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए जियो-राजमहल परियोजना मंजूर

साहिबगंज : झारखंड सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत झारखंड विज्ञान,प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद ने राजमहल पहाड़ियों और गंगा नदी क्षेत्र की भू-विविधता जैव विविधता जीवाश्म व पुरातात्विक विरासत के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए ह्यजियो-राजमहल परियोजना को मंजूरी दी है। परियोजना 36 माह में पूरी की जाएगी।इस शोध परियोजना के प्रधान अन्वेषक आईआईटी आईएसएम धनबाद के अनुप्रयुक्त भूविज्ञान विभाग के प्रो.दीपक कुमार झा हैं।जबकि सह-प्रधान अन्वेषक साहिबगंज कॉलेज के भूविज्ञान विभाग के भू-वैज्ञानिक एवं पर्यावरणविद् डॉ.रणजीत कुमार सिंह हैं।भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण रांची की वरिष्ठ भूवैज्ञानिक श्रेया श्रेय का भी परियोजना में सहयोग रहेगा।यह साहिबगंज जिले और साहिबगंज कॉलेज के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।डॉ.रणजीत कुमार सिंह लंबे समय से राजमहल पहाड़ियों की भूगर्भीय विरासत,पर्यावरण,जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक अध्ययन और संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।परियोजना के तहत राजमहल पहाड़ियों के भूविज्ञान जीवाश्म संपदा जैव विविधता और भू-पुरातत्व का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा।साथ ही गंगा पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करने वाले भूगर्भीय एवं अन्य अजैविक कारकों का भी वैज्ञानिक विश्लेषण होगा।प्रागैतिहासिक काल में स्थानीय जनजातियों और पर्यावरण के बीच संबंधों का अध्ययन भी परियोजना का अहम हिस्सा होगा।राजमहल क्षेत्र अपने दुर्लभ क्रिटेशियस युगीन पादप जीवाश्मों के लिए विश्वभर में महत्वपूर्ण माना जाता है।साहिबगंज के मंडरो क्षेत्र को वर्ष 2014 में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भू-विरासत स्थल के रूप में मान्यता दी थी।जीवाश्मों के संरक्षण के लिए वर्ष 2022 में मंडरो में फॉसिल पार्क भी बनाया गया।

पर्याप्त धन राशि के साथ बाढ़ सूखा आपदा राहत सुनिश्चित की जाए : श्याम सुंदर

संवाददाता

साहिबगंज : संयुक्त किसान मोर्चा केंद्र कमेटी के आह्वान पर देश के सभी सांसद एवं विधायको के नाम एम एस पी सहित अन्य मुद्दों को लेकर स्मार पत्र देने का निर्णय लिया गया।इसी क्रम में कामरेड असगर आलम की अध्यक्षता में पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक निशात आलम को मांग पत्र सौपा।जिसमें पिछले दिनों 19 सितंबर 2021 को दिल्ली सीमाओं पर हुए ऐतिहासिक किसान आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार द्वारा एसपी कर्ज माफी बिजली के निजीकरण और किसानों के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की वापसी के संबंध में दिए गए लिखित आश्वासन को लागू न करने पर अपना कड़ा आक्रोस व्यक्त करते है निम्नलिखित मांगों पर विधानसभा लोकसभा में अपने स्तर से बातों को रखने का आग्रह किया गया।मौके पर कॉ इशितयाक,कैफुल इस्लाम,शरीफुल इस्लाम,मिलन शेख,शयामसुंदर पोद्दार,सपन दास,फैसल,सलीम शेख सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

मुख्य मांगे : भारतीय खाद्य निगम की रक्षा और मजबूती की जाए और भारतीय खाद्य निगम के साइलो में अदानी और द्वैधअधिकार को समाप्त किया जाए,संप्रभु लघु और मध्यम उद्यम कृषि व खाद प्रसंस्करण निर्यात क्षेत्र में एफडीआई नहीं,ओबरा ईंधन पेट्रोल और डीजल की कमी एवं कालाबाजारी समाप्त की जाए तथा सब्सिडी बहाल करके कीमतों को नियंत्रित किया जाए, सार्वजनिक क्षेत्र में फसल पशुधन बीमा योजना बनाई जाए,आंचल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन के माध्यम से सभी खेतों तक सिंचाई पहुंचाई जाए,₹10000 प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जाए,पर्याप्त धन राशि के साथ पारदर्शी और प्रभावी बाढ़ सूखा आपदा राहत सुनिश्चित की जाए, अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र के लिए केंद्रीय बजट का 6 प्रतिशत और शिक्षा के लिए जीडीपी का 6 प्रतिशत आवंटित किया जाए। सहकारी समितियां को कॉर्पोरेट कब्जे से बचाया जाए और किसानों की भूमिका बढ़ाने के लिए सहकारिताओं का लोकतांत्रिक कारण किया जाए।

किसानों की प्रमुख मांगे : भारत अमेरिका समझौता नहीं सभी मुक्त व्यापार को को रद्द किया जाए,सभी फसलों के लिए सी2 + 50 प्रतिशत की दर से कानूनी रूप से गारंटी क्रिएट एसपी लागू किया जाए तथा खरीद की गारंटी दी जाए, ग्रामीण कर्ज का रास्ता तथा किसानों और डीहारी मजदूरों की

आत्महत्याओं को समाप्त करने के लिए व्यापक कर्ज माफी की जाए। प्रत्येक किसानों आत्महत्या पीड़ित परिवारों को 25 लाख रुपया मुआवजा दिया जाए,चारों श्रम संहिता को रद्द किया जाए और सभी मजदूरों के लिए 31000 रूपया न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित किया जाए,मनरेगा को बहाल किया जाए तथा 200 दिनों के काम और ₹700 दैनिक मजदूरी की गारंटी दी जाए। 6.बिजली निजीकरण विधेयक 2025 बीज विधेयक 2025 राज्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम संशोधन विधेयक वापस लिए जाए,जबरन भूमि अधिग्रहण नहीं कॉर्पोरेट समर्थक भूमि पुलिंग नहीं एलएआरआर अधिनियम 2013 आदिवासियों और गैर आदिवासियों वनवासियों के फर 2006 तथा स्वशासन और आदिवासी स्वशासन संबंधित पेशा 1996 के आधार पर भूमि अधिकारों की रक्षा की जाए,साहिबगंज जिला अंतर्गत पाकुड़ - बरहरवा मुख्य सड़क में पलाशबोना से श्रीकुंड एवं भीमपरा से दुलमपुर तक के संकीर्ण पथ को चौड़ीकरन एवं मजबूतीकरण का काम अभिलंब करें,साहिबगंज जिला अंतर्गत बरहरवा अंचल के श्रीकुंड से शिवपहाड़ तक प्रस्तावित सड़क जो मौज आधारकोठा पलसबोना माधवपुर महादेवपुर अगलोई हस्तिपरा और जूहीबोना तक तीन फसलीय सिंचित जमीन ग्रीनलैंड पर चिन्हित है जिसे जबरन अधिग्रहण करने की पहल हो रही है जो भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 की धारा 10 की उप धारा एक की उलंघन है इसे अभिलंब रद्द किया जाए,साहिबगंज जिला में बन रहे फोर लाइन सड़क के रैयतों को निबंधडिट केवाला एवं दखलदानी के आधार पर रैयतों को मुआवजा राशि का भुगतान दिया जाए,वर्ष 2025 में साहिबगंज प्रखंड के सकरीगली के गोपालपुर दियारा में बाढ़ के कटाव से गंगा में समाए गए भूमिहीनों को जमीन एवं घर मुरिया कराई जाए,साहिबगंज जिला में जमीन की दाखिल खारिज ऑनलाइन ऑनलाइन पंजी 2 में सुधार की प्रक्रिया में गति प्रदान किया जाए, जिला में सरकारी योजनाओं में चल रहे लुट खसोट को अभिलंब बंद किया जाए, जिला में राशन डीलर द्वारा दिए जा रहे अनाज के लूट को बंद किया जाए, साहिबगंज जिला के साहिबगंज में खास महल जमीन पर रह रहे लोगों को मालिकाना हक दिया जाए, जिला अंतर्गत अनसर्वे लैंड का सर्वे करने का काम अभिलंब शुरू किया जाए,ग्राम पंचायत दरियापुर से सुल्तान मोड में स्थित सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा हटाया जाए एवं उप-स्वास्थ्य केंद्र बनाया जाए,जिला अंतर्गत प्राथमिक से प्लस टू विद्यालय में शिक्षकों के शून्य पदों को अभिलंब नियुक्त किया जाए।

असम प्रीमियर लीग के क्षेत्रीय क्रिकेट को बढ़ावा देने से स्थानीय प्रतिभाओं को मिला मजबूत मंच

एजेंसी

गुवाहाटी : असम प्रीमियर लीग के पहले सत्र का समापन रविवार को बरपेटा ब्रेव्स के चैंपियन बनने के साथ हुआ। फाइनल में बरपेटा ब्रेव्स ने गुवाहाटी रॉयल्स को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टीसीएम स्पोर्ट्स की इस लीग ने अपने पहले ही सत्र में असम की उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं को बड़ा मंच प्रदान किया।

पहले सत्र में कई युवा खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। डेनिश दास ने टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद दलीप ट्रॉफी टीम में जगह बनाई। दलीप ट्रॉफी के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने असम प्रीमियर लीग में शतक भी लगाया। रोहित सेन, बस्तब रॉय, शुभम कुमार गुप्ता और आयुष्मान मलाकर ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया।

लीग में असम की आठ टीमों के करीब 150 खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। इस दौरान आईपीएल की टीमों कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के प्रतिभा खोजकर्ता हर मुकाबले में मौजूद रहे। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की मौजूदगी ने भी लीग में बढ़ती दिलचस्पी को रेखांकित किया।

फाइनल देखने पहुंचे 25 हजार से अधिक दर्शक

टूनार्मेंट में कई बड़े स्कोर, 200 से अधिक रन के सफल लक्ष्य का पीछा और आखिरी ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। फाइनल मुकाबले को 25 हजार से अधिक दर्शकों ने स्टेडियम में बैठकर देखा, जो असम में लीग की लोकप्रियता का प्रमाण रहा। असम क्रिकेट संघ के अध्यक्ष तरंगा गोगोई ने कहा कि असम प्रीमियर लीग राज्य में क्रिकेट के विकास के लिए महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में मौजूद प्रतिभाओं को नियमित प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का अवसर देना उनके विकास के लिए बेहद जरूरी है।

सोशल मीडिया पर भी मिली बड़ी सफलता

असम प्रीमियर लीग को सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। पूरे टूनार्मेंट के दौरान लीग से जुड़े कंटेंट को 10 करोड़ से अधिक ऑर्गेनिक व्यूज मिले। खास बात यह रही कि यह पहुंच बिना मीडिया खर्च, इन्फ्लुएंसर अभियान या बड़ी सोशल मीडिया फॉलोइंग वाले खिलाड़ियों पर निर्भरता के हासिल हुई। व्यावसायिक स्तर पर भी लीग ने पहले सत्र में मजबूत शुरूआत की। अलग-अलग क्षेत्रों से 14 प्रायोजक और साझेदार लीग से जुड़े, जिससे इसके भविष्य में व्यावसायिक विस्तार की उम्मीद बढ़ी है।

टीसीएम स्पोर्ट्स के प्रबंध निदेशक लोकेश शर्मा ने कहा कि असम प्रीमियर लीग ने राज्य के लोगों को अपनी खुद की लीग का अनुभव दिया और युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का मंच प्रदान किया। उन्होंने डेनिश दास, रोहित सेन, बस्तब रॉय, शुभम कुमार गुप्ता और आयुष्मान मलाकर के प्रदर्शन को विशेष रूप से उत्साहजनक बताया।

टीसीएम स्पोर्ट्स असम के अलावा तेलंगाना में टीजी-20 और कर्नाटक में महाराजा ट्रॉफी जैसी लीगों के जरिए देश के विभिन्न राज्यों में क्रिकेट के क्षेत्रीय ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को विश्वसनीय मंच और नियमित प्रतिस्पर्धी अवसर उपलब्ध कराना है।

वीडियो शेयर कर बोलीं 'आप कहां हो?'

श्वेता ने क्यों मांगी मदद?

श्वेता तिवारी अपने एक वीडियो के चलते चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें उन्होंने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर तुकाराम मुंडे से मदद मांगी है। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर तुकाराम मुंडे की सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है। नियमों और कानूनों का उल्लंघन करने वाले रेस्टोरेंट, कैंटीन और दूसरी जगहों पर सख्त कार्रवाई करने की वजह से कई लोगों ने इस अधिकारी को असली सिंघम का नाम दिया है। जहां आम लोग अपनी शिकायतें बताने के लिए उन्हें टैग कर रहे हैं, वहीं एक चौंकाने वाले डिलीवरी अनुभव के बाद टीवी स्टार श्वेता तिवारी भी इस मुहिम में शामिल हो गई हैं।

श्वेता तिवारी ने तुकाराम मुंडे से मांगी मदद

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कॉकरोच का वीडियो शेयर करते हुए, श्वेता तिवारी ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म और महाराष्ट्र FDA प्रमुख तुकाराम मुंडे को टैग किया। इस क्लिप में उन्होंने कहा, 'और उसके साथ कॉकरोच भी आ गया। ये देखिए, कॉकरोच पूरे घर में भाग रहा है। ये रहा, छोटा सा। तो, क्या हमें तुकाराम मुंडे जी को टैग करना चाहिए? मुंडे जी, अभी हमारे घर में कॉकरोच आ रहे हैं। आप कहां हैं, प्लीज ध्यान दीजिए।'

तारा सुतारिया ने

'तुम ही आना'

जैम सेशन को फैंस की तरफ से मिल रहे प्यार पर जताया आभार

तारा सुतारिया ने बुधवार को अपने हालिया जैम सेशन को फैंस की तरफ से मिल रहे ढेर सारे प्यार को लेकर आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री तारा सुतारिया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह घर पर बैठकर 2019 की फिल्म 'मरजावां' का पॉपुलर गाना 'तुम ही आना' गाती नजर आ रही हैं। वीडियो में अभिनेत्री काले कपड़े पहन, आंखें बंद करके सिंगिंग सेशन का मजा लेती दिखीं। अभिनेत्री ने फैंस की तरफ से मिल रहे प्यार को लेकर शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि अगर ऐसी वीडियोज और भी चाहिए, तो वीडियो को और प्यार दें। तारा सुतारिया ने लिखा, 'कुछ घंटों पहले इस वीडियो को पोस्ट किया था और अब देखते ही देखते 50 लाख से ज्यादा व्यूज आ गए। अगर आपको मिडनाइट और भी जैम वीडियो चाहिए, तो इसे और भी शेयर करें। '

दरअसल, अभिनेत्री ने यह वीडियो मंगलवार देर रात को शेयर किया था, जिसे देखते ही देखते 50 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। फिल्म 'मरजावां' का गाना 'तुम ही आना' एक बेहद लोकप्रिय और भावुक रोमांटिक गीत है। इसे जुबिन नौटियाल ने अपनी जादुई आवाज दी है, संगीत पायल देव ने तैयार किया है और इसके बोल कुणाल वर्मा ने लिखे हैं। इस गाने में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तारा सुतारिया के बीच का प्यार और बिछड़ने का दर्द दिखाया गया है।

मैं वो सब बन रही हूं, जो मैंने चाहा

भोजपुरी एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर अपना ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक शेयर किया है. इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'चुपचाप मैं वो सब बन रही हूं, जो मैंने चाहा था.

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह हमेशा अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज और खूबसूरती से फैंस के दिलों पर राज करती हैं. वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी शानदार तस्वीरें भी शेयर करती हैं, जिनमें उनके ट्रेडिशनल और वेस्टर्न अंदाज़ की झलक देखने को मिलती है. भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह हमेशा अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज और खूबसूरती से फैंस के दिलों पर राज करती हैं. वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी शानदार तस्वीरें भी शेयर करती हैं, जिनमें उनके ट्रेडिशनल और वेस्टर्न अंदाज़ की झलक देखने को मिलती है. अक्षरा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत भोजपुरी फिल्म 'सत्यमेव जयते' से की थी.

साल 2010 में आई इस फिल्म में अक्षरा सिंह और रवि किशन ने साथ काम किया था. इसके अलावा एक्ट्रेस ने पवन सिंह, खेसारी लाल यादव और दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' जैसे बड़े स्टार्स के साथ भी कई फिल्में की हैं. अक्षरा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत भोजपुरी फिल्म 'सत्यमेव जयते' से की थी. साल 2010 में आई इस फिल्म में अक्षरा सिंह और रवि किशन ने साथ काम किया था. इसके अलावा एक्ट्रेस ने पवन सिंह, खेसारी लाल यादव और दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' जैसे बड़े स्टार्स के साथ भी कई फिल्में की हैं. भोजपुरी फिल्मों के साथ अक्षरा सिंह ने हिंदी टीवी सीरियल्स में भी काम किया है, जिसमें काला टीका, सावधान इंडिया और सूर्यपुत्र कर्म जैसे शो शामिल हैं.

विवादित गाने 'फाइन शिट' के बाद गुरु रंधावा का नया गाना रिलीज; कहा-

'अपनी टेबल हम खुद बनाते हैं'

सिंगर गुरु रंधावा का नया गाना रिलीज हुआ है। बीते दिनों आए विवादित गाने 'फाइन शिट' के बाद उन्होंने नया सॉन्ग पेश किया है। चर्चित सिंगर गुरु रंधावा बीते दिनों अपने गाने 'फाइन शिट' को लेकर काफी चर्चा में रहे। इस गाने पर खूब आलोचना हुई। विवादित गाने के बाद सिंगर ने अपना नया गाना 'मर्जी' रिलीज किया है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने जानकारी साझा की है। गुरु रंधावा के नए गाने 'मंजिल' के लिरिक्स गुरजीत गिल ने लिखे हैं। सिंगर ने यह गाना अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया है। गुरु रंधावा ने इस गाने को 'ओनरशिप और चॉइस' यानी अपनी मर्जी और फैसलों के बारे में बताया है। सिंगर की टीम की ओर से जारी एक प्रेस नोट में गुरु रंधावा ने कहा, 'यह गाना ओनरशिप के बारे में है- यानी अपनी पसंद, अपने सर्कल और अपनी कहानी पर अपना अधिकार'। उन्होंने कहा है, 'पंजाब किसी और की टेबल पर जगह नहीं मांगता, हम अपनी टेबल खुद बनाते हैं'। 'यह गाना उन सभी लोगों के लिए है, जिन्होंने जमीन से उठकर अपना रास्ता खुद बनाया है, अपने फैसले खुद लिए हैं और अपनी जिंदगी पूरी तरह से अपनी शर्तों पर जी है'।

यश के बाद अब

21 साल बड़े एक्टर संग कियारा आडवाणी का रोमांस?

कियारा आडवाणी जल्द ही 'टॉक्सिक' में यश के साथ नजर आएंगी। इसी बीच उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'टॉक्सिक' के बाद कियारा एक्सेल एंटरटेनमेंट की एक इंटेंस सुपरनैचुरल थ्रिलर में सैफ अली खान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी। बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। मां बनने के बाद उनकी ये पहली मूवी होगी, जिसमें वो बोल्ड किरदार में दिखाई देने वाली हैं। साउथ के सुपरस्टार यश के साथ रोमांस करती दिखेंगी। खबर है कि 'टॉक्सिक' के बाद कियारा आडवाणी एक सुपरनैचुरल इंटेंस थ्रिलर फिल्म में नजर आ सकती हैं, जिसमें उनके साथ पहली बार सैफ अली खान दिखाई देंगे।

सैफ अली खान के साथ पहली बार काम करेंगी कियारा

अपने करियर में कई बड़े एक्टर के साथ काम कर चुकी कियारा आडवाणी अब खुद से 21 साल बड़े सैफ अली खान के साथ पर्दे पर नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कियारा जल्द ही एक्सेल एंटरटेनमेंट की नई फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं, जिसमें उनके साथ सैफ अली खान लीड रोल में नजर आ सकते हैं।फिल्म को लेकर अभी आधिकारिक तौर पर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार इसकी कहानी काफी अलग और रोमांचक होने वाली है।

राहुल गांधी ने देश की विरासत का किया अपमान : योगी आदित्यनाथ

✔ मुख्यमंत्री योगी ने अवध के नायकों को दी श्रद्धांजलि, राना बेनी माधव बख्श सिंह सभागार का लोकार्पण किया, डाक टिकट किया जारी

एजेंसी

रायबरेली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली में राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हमारी विरासत का अपमान कर रहे हैं और युवाओं को गलत दिशा में ले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को रायबरेली में राना बेनी माधव बख़्श सिंह की 222वीं जयंती के अवसर पर आयोजित भाव समर्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राहुल गांधी से देश अब कोई अपेक्षा नहीं करता लेकिन नेता प्रतिपक्ष के नाते उनकी कोई जिम्मेदारी है। बावजूद इसके वह यूपी के बाहर प्रदेश का अपमान करते हैं। देश के बाहर देश का अपमान करते हैं। उनको अपनी विरासत को अपमानित करने का कोई हक नहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल को शतपथ ब्राम्हण और मत्स्य पुराण पढ़नी चाहिए। ताकि उनको समझ आ जाए कि हमारे ग्रंथ व विरासत में क्या है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायबरेली में केवल एक परिवार के नाम पर संस्थाओं के नामकरण हुए। शहीदों को भुला दिया गया। अब प्रदेश सरकार अपने शहीदों, नायकों को याद कर रही है। उन्होंने अयोध्या में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के दावत पर तंज कसते हुए कहा कि यह सनातन का अपमान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें अपनी विरासत को पहचानना होगा। उस पर गर्व करने की जरूरत है। ताकि हम अपनी समृद्ध परंपरा और इतिहास को जान सकें। योगी आदित्यनाथ ने इसके पहले 25 करोड़ की लागत से बने सभागार का लोकार्पण किया व शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने डाक विभाग द्वारा राना बेनी माधव सिंह पर जारी विशेष आवरण को जारी किया। राना बेनी माधव सिंह स्मारक समिति द्वारा अवध केसरी का विमोचन भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, मंत्री राकेश सचान, मंत्री मनोज पांडे, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह, विधायक अदिति सिंह, अशोक कोरी, एमएलसी उमेश द्विवेदी, अवनीश सिंह सहित भाजपा पदाधिकारी व नेता मौजूद रहे। इसके बाद रायबरेली के फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रायबरेली के विकास के लिए 879 करोड़ रुपये से अधिक की 346 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसमें वह 624 करोड़ रुपये की 185 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, जबकि 277 करोड़ रुपये की 162 नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। मुख्यमंत्री रायबरेली में सपेरा समुदाय व अन्य आवास विहीन 60 से अधिक परिवारों को आवासीय पट्टे का आवंटन पत्र लाभार्थियों को सौंपेंगे। इसके साथ ही अन्य योजनाओं के लाभार्थियों के खाते मे 19 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का अंतरण भी करेंगे। मुख्यमंत्री इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी आयुष्मान कार्ड, लैपटॉप, स्वीकृति पत्र व चाबी आदि प्रदान करेंगे।

रक्षाबंधन पर इस बार नहीं रहेगा भद्रा का साया, 28 अगस्त को ही बांधी जाएगी राखी

एजेंसी

हरिद्वार : भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का पर्व रक्षाबंधन इस बार 28 अगस्त को मनाया जाएगा। हालांकि पूर्णिमा तिथि दो दिन व्यापिनी होने के कारण रक्षाबंधन की तारीख और राखी बांधने के शुभ समय को लेकर लोगों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। पंचांगों और ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं रहेगा और 28 अगस्त को उदया तिथि में पूर्णिमा मिलने के कारण इसी दिन राखी बांधना शुभ माना जा रहा है।

दरअसल, पूर्णिमा तिथि का आगमन 27 अगस्त की सुबह 9 बजकर 08 मिनट पर होगा। यह तिथि अगले दिन यानी 28 अगस्त को सुबह 9 बजकर 48 मिनट तक रहेगी। इस वजह से पूर्णिमा दो दिन व्यापिनी हो रही है। ऐसे में लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि रक्षाबंधन 27 अगस्त को मनाया जाए या 28 अगस्त को।

पंचांगविदों का कहना है कि पर्व-त्योहारों के निर्धारण में उदया तिथि का विशेष महत्व होता है। चूंकि 28 अगस्त को सूर्योदय के समय पूर्णिमा तिथि विद्यमान रहेगी और इसके बाद भी करीब 9 बजकर 48 मिनट तक पूर्णिमा रहेगी, इसलिए रक्षाबंधन के लिए 28 अगस्त को ही उपयुक्त माना गया है। भारतीय प्राच्य सोसायटी के डॉ. प्रतीक मिश्रपुरी के अनुसार 28 अगस्त को पूर्णिमा उदया तिथि में है। भारतीय पर्व-त्योहारों के निर्धारण में उदया तिथि को मान्यता दी जाती है। उन्होंने बताया कि 28 अगस्त को पूर्णिमा ढाई घड़ी से अधिक समय तक विद्यमान रहेगी, इसलिए इस दिन रक्षाबंधन मनाने को लेकर किसी प्रकार का संशय नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि श्रावणी उपाकर्म 27 अगस्त को किया जाना पंचांग सम्मत है, जबकि भाई-बहन के पर्व रक्षाबंधन के लिए 28 अगस्त का दिन उचित रहेगा।

सुबह 5.57 से 9.48 बजे तक राखी बांधने का शुभ समय

पंचांगों के अनुसार 28 अगस्त को राखी बांधने के लिए सुबह 5 बजकर 57 मिनट से 9 बजकर 48 मिनट तक का समय शुभ बताया गया है। हालांकि अलग-अलग स्थानों पर सूर्योदय के समय में अंतर होने के कारण स्थानीय स्तर पर शुभ मुहूर्त के समय में कुछ मिनटों का अंतर हो सकता है। ऐसे में लोगों को अपने क्षेत्र के स्थानीय पंचांग अथवा विद्वान पंडित से समय की पुष्टि करने की सलाह दी जा रही है। रक्षाबंधन के पर्व पर हर वर्ष भद्रा को लेकर विशेष सावधानी बरती जाती है। मान्यता के अनुसार भद्रा काल में राखी बांधने से बचा जाता है। इस बार भी 27 अगस्त को पूर्णिमा शुरू होने के साथ ही भद्रा का संयोग बन रहा है। पंचांग गणना के अनुसार 27 अगस्त को सुबह 9 बजकर 08 मिनट से रात 9 बजकर 32 मिनट तक भद्रा रहेगी। इस दौरान रक्षाबंधन मनाना उचित नहीं माना जा रहा है। इसके बाद 28 अगस्त को सूर्योदय के समय पूर्णिमा तिथि और भद्रा रहित स्थिति मिलने के कारण रक्षाबंधन के लिए यह दिन अधिक उपयुक्त माना गया है। रक्षाबंधन की तारीख स्पष्ट होने के बाद अब बाजारों में भी पर्व की तैयारियां तेज होने लगी हैं। राखियों की दुकानों पर रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों की मांग बढ़ने लगी है। बहनें अपने भाइयों के लिए राखी और पूजा की सामग्री खरीदने की तैयारी कर रही हैं, जबकि मिठाई और उपहारों की दुकानों पर भी रक्षाबंधन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

कर्नाटक वाल्मीकि निगम घोटाले को लेकर भाजपा का प्रदर्शन, मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे की मांग

एजेंसी

बेंगलुरु : कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में हुए करोड़ों रुपये के कथित घोटाले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को बेंगलुरु में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे और कथित वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग की। फ्रीडम पार्क में सुबह करीब 10 बजे भाजपा कार्यकर्ता और नेता जुटे और राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने विधानसौध की ओर मार्च करने का प्रयास किया। प्रदर्शन को देखते हुए विधानसौध और विकाससौध के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस ने बैरिकेड लगाकर प्रवेश मार्गों को बंद कर दिया था। सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस के साथ कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस (केएसआरपी) की टुकड़ियां भी तैनात की गई थीं। प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने के लिए बीएमटीसी की बसों की व्यवस्था की गई थी। विधानसौध की ओर बढ़ रहे भाजपा नेताओं और कार्यकताओं को पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस सरकार और मंत्री बी. नागेंद्र के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में आर. अशोक, बी.वाई. विजयेंद्र, सी.टी. रवि और एन. रविकुमार समेत कई प्रमुख भाजपा नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि वाल्मीकि समुदाय के लिए निर्धारित 187 करोड़ रुपये की राशि का कथित तौर पर दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि यदि मंत्री बी. नागेंद्र को मंत्रिमंडल से बर्खास्त नहीं किया गया तो भाजपा अपना आंदोलन और तेज करेगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण और पूर्व मंत्री राजूगौड़ा सहित अन्य भाजपा नेताओं ने भी मंत्री के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों और वंचित समुदायों के लिए निर्धारित धन के कथित दुरुपयोग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार के खजाने तथा गरीबों, वंचितों और दलितों के धन के कथित दुरुपयोग के आरोपों की व्यापक जांच होनी चाहिए। उन्होंने मंत्री को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने और मामले की पूरी सच्चाई जनता के सामने लाने की मांग की। विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा अपनी मांगों को लेकर सदन के भीतर और बाहर संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्री के खिलाफ कार्रवाई और कथित घोटाले की पूरी जांच होने तक पार्टी आंदोलन को आगे बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अरुण जेटली को श्रद्धासुमन अर्पित किए, बोलीं- राष्ट्रसेवा और सुशासन को समर्पित रहा उनका जीवन

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण जेटली की 7वीं पुण्यतिथि पर अरुण जेटली पार्क में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। यह जानकारी मुख्यमंत्री सोशल मीडिया एक्स अकाउंट एक्स पर साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रवादी चिंतक, प्रख्यात कानूनविद्, ओजस्वी वक्ता और कुशल संगठनकर्ता के रूप में अरुण जेटली सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा और सुशासन को समर्पित रहा। वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती और दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा तथा राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेटली जी का विद्यार्थी परिषद से सार्वजनिक जीवन की शुरूआत, आपातकाल के विरुद्ध संघर्ष, संगठन में दीर्घ साधना और संसद में प्रभावी भूमिका, उनका जीवन राष्ट्रनिष्ठ राजनीति की एक प्रेरक यात्रा रहा। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री के रूप में देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाले अनेक महत्वपूर्ण सुधारों में उनका निर्णायक योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। दिल्ली उनकी कर्मभूमि रही। यहां के कार्यकताओं और जनमानस से उनका आत्मीय संबंध आज भी अनेक स्मृतियों में जीवंत है।

मुरादाबाद में डेढ़ लाख से अधिक कांवड़ियों ने जलाभिषेक कर पूरा किया संकल्प

मुरादाबाद : सावन मास के चतुर्थ व अंतिम सोमवार पर पर मुरादाबाद जनपद के प्रमुख सिद्ध पीठ मंदिरों पर जलाभिषेक के लिए कांवड़ियों और शिव भक्तों की लंबी लाइनें सुबह तड़के से दोपहर तक लगी रही। पीतल नगरी में डेढ़ लाख से अधिक कांवड़ियों ने अंतिम सोमवार पर विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक कर अपना संकल्प पूरा किया। छोटे बड़े सभी शिवालय बम-बम भोले और हर हर महादेव के जयकारों से गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव परिवार और शिवलिंग पर गंगाजल से जलाभिषेक किया व बाबा को फल, फूल, धतूरा, बेलपत्री, भांग, रोली, अक्षत्र, जेनऊ, चंदन, धूप घास, मिष्ठान इत्यादि पूजन सामग्री चढ़ा कर विधि विधान से पूजा अर्चना की। मुरादाबाद महानगर में किसरोल स्थित अति प्राचीन सिद्ध पीठ 84 घंटा मंदिर और नागफनी स्थित झारखंडी शिव मंदिर में आज सुबह तड़के तीन बजे से कांवडियों द्वारा जलाभिषेक प्रारंभ हो गया। सुबह 6 बजे से महानगर के श्रद्धालुओं का आवागमन प्रारंभ हुआ। कांवड़ियों के द्वारा दोपहर तक जलाभिषेक का कार्यक्रम जारी रहा।

स्टॉक मार्केट में ललिता ज्वेलरी की मजबूत शुरूआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली : दक्षिण भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों में ज्वेलरी का रिटेल कारोबार करने वाली कंपनी ललिता ज्वेलरी मार्ट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरूआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 201 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 31.99 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 265.30 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 31.84 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 265 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण ये शेयर गिर कर 253.50 रुपये के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 274.30 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में इसकी चाल में एक बार फिर गिरावट का रुख बन गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच दोपहर 12:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 262.43 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 61.43 रुपये यानी 30.56 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। इस कंपनी का 1,700 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 66.63 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 153.80 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 78.17 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 12.51 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 9.10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत पांच रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 8,46,08,276 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 1,200 करोड़ रुपये के 5,97,32,655 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा करीब 500 करोड़ रुपये के 2,48,75,621 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने दस नए स्टोर्स का सेटअप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

ललिता ज्वेलरी मार्ट की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 359.83 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 364.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 1,009.82 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 16,800.62 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 16,907.88 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 25,039.80 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 824.18 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 949.26 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 1,604.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 1,667.78 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 2,028.80 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 3,033.14 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी को इस मोर्चे पर लगातार सफलता मिली। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 1,552.46 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसके अगले साल 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस बढ़ कर 1,675.39 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस उछल कर 2,679.74 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

रोड रेज मामले में एफआईआर के विरूद्ध सुप्रीम कोर्ट पहुंचे पत्रकार अभिषेक उपाध्याय, कल सुनवाई

नई दिल्ली : राम मंदिर चढ़ावा गड़बड़ी का खुलासा करने वाले पत्रकार अभिषेक उपाध्याय ने अपने खिलाफ रोड रेज मामले में दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की मांग एक याचिका दाखिल करके की है, जिस पर उच्चतम न्यायालय सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। सोमवार को अभिषेक उपाध्याय की ओर से पेश वकील ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए जल्द सुनवाई की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने कल यानि 25 अगस्त को सुनवाई करने का आदेश दिया। याचिका में अभिषेक उपाध्याय ने आरोप लगाया है कि रोड रेज संबंधी एफआईआर बदले की भावना से दर्ज की गई है। उपाध्याय ने कहा है कि चूंकि उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी का खुलासा किया था, इसलिए उन्हें उत्तर प्रदेश प्रशासन की ओर से टारगेट किया गया है। अभिषेक उपाध्याय ने राम मंदिर चढ़ावा गड़बड़ी के अलावा उत्तरप्रदेश के एक आईएएस अधिकारी के बारे में भी खोजी रिपोर्ट प्रकाशित की थी। संबंधित आईएएस के बारे में भदोही में 2023 में 20 करोड़ रुपये के कृषि भूमि की खरीद को लेकर खबर प्रकाशित हुई थी। रोड रेज को लेकर हालिया एफआईआर 18 अगस्त को गाजियाबाद में दर्ज कराई गई थी। एफआईआर एक दोपहिया चालक ने दर्ज कराई थी। एफआईआर में कहा गया था कि अभिषेक उपाध्याय के वाहन से उसे पीछे से धक्का मारा गया और पीड़ित दोपहिया वाहन चालक के साथ गाली-गलौच की गई थी। इस मामले में अभिषेक उपाध्याय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और एससी-एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

अमेठी : सड़क हादसे में युवक की मौत, दोस्त घायल

अमेठी : उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में जामो थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और नशे में वाहन चलाने के दौरान बाइक करीब 12 फीट गहरे पानी भरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान भीम (18) पुत्र जवाहर लाल निवासी पूरे अजीम थाना जायस के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि मृतक भीम अपने दोस्त विकास पुत्र रामराज के साथ 23 अगस्त रविवार की शाम करीब 6:30 बजे अपनी बहन भारती की ससुराल हिंदू पुरवा, थाना जामो से निकला था। रास्ते में दोनों ने शराब पी। इसके बाद नशे की हालत में वाहन चलाते हुए मंडका मजरे नौरंगाबाद के पास ब्लाइंड मोड़ पर तेज गति के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया और करीब 12 फीट गहरे पानी भरे गड्ढे में जा गिरा। हादसे में विकास वाहन से अलग छिटककर बाहर गिर गया, जबकि भीम वाहन के साथ गड्ढे में जा गिरा। सोमवार सुबह गड्ढे में वाहन का साइड मिरर दिखाई देने पर ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन और मृतक भीम के शव को बाहर निकलवाया। जामो थाने के प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस पहुंच गई। प्रारंभिक जांच में तेज गति और नशे की हालत में वाहन चलाने के दौरान पानी भरे गड्ढे में गिरने से युवक की मौत होने की बात सामने आई है। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया।

अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर तरुण चुग ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुग ने पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री एवं प्रख्यात अधिवक्ता अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। चुग ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि देश के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, कुशल रणनीतिकार, प्रखर वक्ता, प्रख्यात अधिवक्ता एवं पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। देश के प्रति जेटली की प्रतिबद्धता, उनके आदर्श और विचार सदैव प्रेरणा देते रहेंगे तथा उनकी अविस्मरणीय यादें हमेशा लोगों के साथ रहेंगी। जेटली भारतीय राजनीति के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे। वे केंद्रीय वित्त मंत्री समेत कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके थे। वे एक प्रभावशाली नेता, विद्वान और कानूनी क्षेत्र की बड़ी हस्ती थे। उनका निधन 24 अगस्त 2019 को हुआ था।

मुरादाबाद : पिंजरे में नौवां तेंदुआ कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में मुरादाबाद रेंज के अन्तर्गत ग्राम सलेमपुर में एक तेंदुआ ट्रैप केज के माध्यम से सोमवार को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया हैं। जनपद में पिंजरे के माध्यम से रेस्क्यू किया जाने वाला यह नवां तेंदुआ है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पिंजरे को अपने कब्जे में ले लिया। उसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से वन विभाग की देखरेख में रेस्क्यू टीम लगातार सक्रिय है। साथ ही प्रशासनिक स्तर से पूरे संवेदनशील क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामों ने सतर्कता एवं जागरूकता के लिए चौपालें आयोजित की जा रही हैं। पूरे संवेदनशील क्षेत्र से अब तक 09 तेंदुओं का रेस्क्यू किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के कई थाना क्षेत्रों के कई गांव में बीते तीन पखवाड़े से तेंदुए कई लोगों और जानवरों को अपना शिकार बना चुके हैं। इसके बाद से तेंदुए की सक्रियता ने विभिन्न क्षेत्रों के कई गांव के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा रखी थी। खेत में काम करने जाने वाले किसानों और चारा लेने जाने वाली महिलाओं को भी डर लग रहा था कि कब तेंदुआ उन पर हमला कर दें। हालांकि वन विभाग ने लोगों को सतर्कता बरतने के साथ प्रभावित गांवों में निगरानी बढ़ाने के साथ जगह जगह पिंजरे लगाए थे। इन्हीं पिंजरों में से एक पिंजरे में सोमवार सुबह लगभग आठ बजे के आसपास वन विभाग की रेस्क्यू टीम को मुरादाबाद रेंज के अन्तर्गत ग्राम सलेमपुर में एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हो जाने की सूचना मिली। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने पहुंचकर उसे अपने कब्जे में लिया। तेंदुए के पिंजरे में कैद हो जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अब उसके शारीरिक परीक्षण के बाद घने जंगल में छोड़ा जाएगा, ताकि वह दोबारा गांव की ओर न आ सके।

श्रावण के अंतिम सोमवार पर बाबा हरिहरनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

सारण : सोनपुर श्रावण मास के चौथे और अंतिम सोमवार को सोनपुर स्थित सुप्रसिद्ध बाबा हरिहरनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह 3:00 बजे ब्रह्ममुहूर्त में मंगलाचरण और नित्य रुद्राभिषेक के बाद श्रद्धालुओं के सुगम जलार्पण हेतु अरघा लगाकर मंदिर के पट खोल दिए गए। कपाट खुलते ही पूरा परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा के दिव्य रूप के दर्शन कर पवित्र गंगाजल से जलाभिषेक किया। विधि-व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सारण जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा। सुबह 4:00 बजे से ही जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरीय पुलिस अधीक्षक खुद मंदिर परिसर में कैंप कर व्यवस्थाओं की निगरानी करते नजर आए। प्रशासनिक मुस्तैदी के कारण श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर शांतिपूर्ण ढंग से बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

ढाबा स्वामी पर नकाबपोश बदमाशों ने की फायरिंग, बाल-बाल

हरिद्वार : कलियर थाना क्षेत्र के इमलीखेड़ा-भगवानपुर मार्ग पर बेडपुर चौक के पास रविवार देर रात दो बाइकों पर सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने ढाबा स्वामी पर फायरिंग कर दी। हमले में ढाबा स्वामी बाल-बाल बच गया, जबकि गोली के छर्रे ढाबे की दीवार में जा धंसे। फायरिंग की आवाज से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बेडपुर निवासी शोएब का बेडपुर चौक के पास शुद्ध शाकाहारी ढाबा है। रविवार देर रात करीब दो बजे उसके साथी सो चुके थे, जबकि शोएब ढाबे पर जाग रहा था। इसी दौरान दो बाइकों पर सवार चार नकाबपोश युवक ढाबे के पास पहुंचे और कथित रूप से शोएब को निशाना बनाकर फायरिंग कर दी। शोएब ने किसी तरह बचकर अपनी जान बचाई। फायरिंग के दौरान गोली के छर्रे ढाबे की दीवार में जा धंसे। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, हमलावर बाइक से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। ढाबा स्वामी शोएब ने पुलिस को बताया कि गांव में उसकी पुरानी रंजिश भी चल रही है। पुलिस इस बिंदु को भी जांच में शामिल कर रही है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी ने बताया कि ढाबे पर फायरिंग की सूचना मिली है। घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

खान एवं खनिज संशोधन विधेयक के विरोध में जनजागरण और आंदोलन की रूपरेखा पर झामुमो ने की बैठक

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखंड मुक्ति मोर्चा की आज केंद्रीय समिति सदस्य, पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ नेताओं की बैठक आज स्थानीय परिसदन भवन में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य विषय खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के कारण झारखंडवासियों को होने वाले संभावित आर्थिक नुकसान तथा केंद्र सरकार द्वारा झारखंड की बकाया राशि को हड़पने की कथित साजिश के खिलाफ जनजागरण अभियान और आंदोलन की रूपरेखा तैयार करना रहा। बैठक की अध्यक्षता झामुमो पलामू जिला समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने की, जबकि संचालन जिला सचिव रंजन चंद्रवंशी ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि इस अधिनियम के लागू होने से झारखंड में संचालित सामाजिक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर गंभीर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, सर्वजन पेंशन योजना सहित स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड उन राज्यों में शामिल है, जिनकी अर्थव्यवस्था और सरकारी राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खनिज संसाधनों से जुड़ा हुआ है। यहां खनन केवल एक औद्योगिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह लाखों लोगों के जीवन, रोजगार, जमीन, पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ विषय है। राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि वर्षों से झारखंड की धरती से निकलने वाला कोयला और लौह अयस्क देश के विभिन्न हिस्सों की औद्योगिक और ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करता रहा है। देश के बड़े उद्योगों और ऊर्जा क्षेत्र को संसाधन उपलब्ध कराने के दौरान झारखंड ने विस्थापन, प्रदूषण, जंगलों के नुकसान और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की बड़ी कीमत भी चुकाई है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जिस राज्य की धरती से खनिज संपदा निकाली जा रही है, क्या उस राज्य

को अपने विकास और जनता के कल्याण के लिए उस संपदा से उचित राजस्व प्राप्त करने का अधिकार नहीं होना चाहिए? बैठक में उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों से झारखंड के आर्थिक हितों को होने वाले नुकसान के मुद्दे पर व्यापक जनजागरण अभियान चलाने तथा जरूरत पड़ने पर चरणबद्ध आंदोलन करने की रणनीति पर चर्चा की। जिला समिति ने आम जनता को इस विषय से अवगत कराने और झारखंड के हक व अधिकार की लड़ाई को और मजबूत करने का संकल्प लिया। आंदोलन और जन जागरण को मजबूती से करने के लिए सभी विधानसभा में पर्यवेक्षक नियुक्त किये गए। विश्रामपुर विधानसभा में युगल चंद्रवंशी, अविनाश देव, असफर रब्बानी, कमलेश पाठक, अनिल चंद्रवंशी, शाहबाज आलम, सुमित बर्मन, पांकी विधानसभा में सन्नू सिद्दीकी, सुनील तिवारी, सन्नी शुक्ला, बबलू शाहनवाज, दीपू चौरसिया, राकेश सिंहा, अखिलेश सिंह, रमेश सिंह। हुसैनाबाद विधानसभा में चंदन प्रकाश सिन्हा, वशिष्ठ सिंह, विवेकानंद सिंह, डॉ. एजाज, नेहाल असगर, आलोक सिंह उर्फ टूटू सिंह, सुशील सिंह। पाटन - छतरपुर विधानसभा में संजीव तिवारी, संतोष उपाध्याय, पप्पू कमाल खान, मुन्ना सिंहा, रंजीत सिंह, नवीन सिंहा, अनुराग सिंह, रंजीत जायसवाल, ईश्वरी मेहता। डाल्टनगंज विधानसभा में राजेंद्र प्रसाद सिन्हा, बालकिशन उरांव, रंजन चंद्रवंशी, सलोनी टोप्पो, श्रवण गुप्ता, धीरेन्द्र उरांव, देवानंद भारद्वाज, आशुतोष विनायक, फजायल अहमद, रामनाथ चंद्रवंशी, नगर निगम सुशीला मिश्रा, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, छात्र मोर्चा महानगर मोर्चा पर्यवेक्षक बनाए गए। इस बैठक में केंद्रीय समिति सदस्य सह उपाध्यक्ष सन्नू सिद्दीकी, संजीव तिवारी, चंदन प्रकाश सिन्हा, हाजी ललन, युगल किशोर चंद्रवंशी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुशीला मिश्रा, वरिष्ठ नेता सुनील तिवारी, रामचंद्र चंद्रवंशी, अविनाश देव, उपाध्यक्ष राकेश सिंहा, असफर रब्बानी, संगठन सचिव देवानंद भारद्वाज, शाहबाज खान, अनुराग प्रताप सिंह, महानगर अध्यक्ष रंजीत जायसवाल, सचिव अल्ताफ राइन, उपाध्यक्ष मन्नत सिंह बग्गा, युवा मोर्चा अध्यक्ष सूरज कुमार, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष फजायल अहमद, छात्र मोर्चा सचिव सैयद फैजल, महिला मोर्चा सचिव संजू देवी, उपाध्यक्ष रजिया बानो, मंजू चंद्रवंशी, व्यवसाय मोर्चा अध्यक्ष दीपू चौरसिया, उपाध्यक्ष आरफीन अली, शमीम हाशमी सहित कई लोग उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

कारगिल दियारा में गंगा कटाव से दहशत,ग्रामीणों ने की कटावरोधी कार्य शुरू कराने की मांग

साहिबगंज : सदर प्रखंड के लाल बथानी मखमलपुर उत्तर स्थित कारगिल दियारा में गंगा नदी के कटाव से प्रभावित किसान एवं ग्रामीणों की चिंता बढ़ती जा रही है। लगातार हो रहे कटाव से कई घर और कृषि योग्य भूमि नदी की धारा में समा चुके हैं।इससे ग्रामीणों के समक्ष विस्थापन और जीवन-यापन का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। कटाव प्रभावित ग्रामीणों ने उपायुक्त के नाम सदर प्रखंड के बीडीओ सह सीओ बासुकीनाथ टुडू को आवेदन सौंपकर तत्काल कटावरोधी कार्य शुरू कराने की मांग की।ग्रामीणों ने बताया कि गंगा नदी लगातार कृषि योग्य जमीन और रिहायशी इलाकों को अपनी चपेट में ले रही है।हालात ऐसे हैं कि पूरा कारगिल दियारा कटाव के मुहाने पर पहुंच गया है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कटावरोधी कार्य शुरू नहीं कराया गया तो बड़ी संख्या में परिवार बेघर हो सकते हैं और उनकी आजीविका का मुख्य साधन कृषि भूमि भी पूरी तरह नष्ट हो सकती है।उन्होंने जिला प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करने तथा युद्धस्तर पर कटावरोधी कार्य शुरू कराने की मांग की।इस मौके पर पूर्व विधायक अनंत ओझा,सदर भाजपा प्रखंड अध्यक्ष अनुराग राहुल सहित बड़ी संख्या में पीड़ित ग्रामीण मौजूद थे।

राजकीय श्रावणी मेला, 2026: चौथी सोमवारी पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

बिनय मिश्रा/ देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2026 के चौथे सोमवारी के पावन अवसर पर आज बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल लेकर आए लाखों देवतुल्य श्रद्धालु 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के गगनभेदी नारों के साथ बाबा नगरिया में प्रवेश कर रहे हैं। तड़के सुबह से ही कतारबद्ध होकर श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ को जलार्पण करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। रूट लाइनिंग में लगे श्रद्धालु थकावट और लंबी दूरी के बावजूद बाबा के दर्शन की ललक में पूरे उत्साह से भरे नजर आ रहे हैं। इसके अलावा कतार में खड़े श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, स्वास्थ्य शिविर, सूचना सह सहायता केंद्र, और विश्राम स्थलों की व्यवस्था की गई है। वृद्ध, महिला और दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। अर्घा व्यवस्था के माध्यम से सभी शिवभक्तों को सुलभ और सुरक्षित तरीके से जलार्पण कराया जा रहा है।

दुमका में जहरीले फल का बीज खाने से कई बच्चे बीमार

दुमका: जिला में शिकारीपाड़ा के खाड़ुकदमा गांव में जहरीले फल का बीज खाने से 12 बच्चे की हालत बिगड़ गई है। पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में इनमें से छह को बेहतर इलाज के लिए दुमका स्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। अभी बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर है।

क्या है पूरा मामला

शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के खाड़ुकदमा गांव के करीब 12 बच्चों ने खेल खेल में जहरीले फल के बीज खा लिए, जिस कारण सभी की तबीयत बिगड़ गई। सभी बच्चों को इलाज के लिए शिकारीपाड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। इनमें छह बच्चे की हालत ज्यादा बिगड़ने पर समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए दुमका फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया, इलाज के बाद सभी की हालत में सुधार है।

परिजनों ने बताया कि सभी बच्चे एक साथ स्कूल गए थे। वापस लौटने के दौरान बच्चों ने काजू का फल समझकर जहरीले फल को तोड़ा और उसके अंदर के बीज को निकालकर खा लिया। जहरीला फल खाने के साथ ही सभी की तबीयत बिगड़ गई। सभी बच्चे अपने-अपने घर पहुंचकर पेट दर्द और शरीर में ऐंठन की शिकायत की और अर्धबेहोशी की हालत में गिर पड़े।

परिजनों ने आनन-फानन में पहले शिकारीपाड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में इलाज के लिए भर्ती कराया पर छह की हालत नाजुक होने पर दुमका अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बीमार बच्चे सभी अलग-अलग परिवार के हैं। बीमार पड़े बच्चों में अमीनुल अंसारी (8 वर्ष), शहनबाज अंसारी (7 वर्ष), जुनेद अंसारी (5 वर्ष), मो। वसीर आलम (8 वर्ष), रिजवान अंसारी (8 वर्ष) शामिल है। बाकी बच्चों का इलाज शिकारीपाड़ा के अस्पताल में चल रहा है।

डॉक्टरों के अनुसार- सभी बच्चे खतरे से बाहर

अस्पताल में इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि सभी बच्चों को आवश्यक दवा दी गई हैं। फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं पर उनपर विशेष नजर रखी जा रही है।

मौसी की प्रताड़ना से तंग युवती ने दी जान

बहन का आरोप भूखा रखकर की जाती थी मारपीट, पढ़ाई भी छुड़ाई, जमीन हड़पने का भी लगाया आरोप

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद : रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के चाउवाचटान गांव से सामने आया है। 21 वर्षीय युवती की आत्महत्या के मामले में उसकी बड़ी बहन ने मौसी समेत तीन लोगों पर गंभीर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर हुसैनाबाद थाना में तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता रूपा कुमारी ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि उसकी मां की बचपन में ही मौत हो गई थी, जबकि पिता भीम सिंह की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती है। ऐसी परिस्थिति में गांव की रीना कुंवर, जो रिश्ते में मौसी और चाची लगती हैं, दोनों बहनों का पालन-पोषण करती थीं। शादी के बाद रूपा अलग रहने लगी, जबकि उसकी छोटी बहन वंदना उनके साथ ही रहती थी।

रूपा का आरोप है कि वंदना को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। उसकी पढ़ाई छुड़ा दी गई और उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की जाती थी। आरोप है कि कई-कई दिनों तक उसे खाना तक नहीं दिया जाता था। बहन का यह भी आरोप है कि उसके मानसिक रूप से कमजोर पिता की जमीन अपने नाम करा ली गई। जब रूपा अपनी बहन से मिलने जाती थी तो कथित तौर पर उसे भी गाली देकर भगा दिया जाता था।

शिकायत में रूपा ने आरोप लगाया है कि वंदना को मानसिक रूप से इस कदर प्रताड़ित किया जाता था कि उसे कथित तौर पर कहा जाता था–ह्लतुम मर जाओ, तुम्हारा वारिस कौन है।ह्व लगातार प्रताड़ना से वंदना बेहद कमजोर हो गई थी।

रूपा के अनुसार, 16 अगस्त को उसे फोन कर बताया गया कि वंदना ने प्रताड़ना से तंग आकर रात्रि में आत्महत्या कर ली है। परिजनों और ग्रामीणों से मिली सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।मामले में रीना कुंवर, उनके पुत्र राजीव रंजन सिंह और अंकिता कुमारी को नामजद आरोपी बनाया गया है। तीनों चाउवाचटान गांव के निवासी बताए गए हैं। शिकायतकर्ता ने आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और प्रताड़ित करने समेत सुसंगत धाराओं में कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। युवती की मौत के पीछे वास्तविक परिस्थितियां क्या थीं, यह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं हैं और मृतका के परिवार को न्याय की उम्मीद है।

सावन के अंतिम सोमवार को बिट्टू पाठक ने किया रुद्राभिषेक

डाल्टनगंज विधानसभा प्रदेश की समृद्धि की कामना

मेट्रोरेज संवाददाता

डाल्टनगंज : झारखंड प्रदेश कमेटी के राज्य सचिव एवं पलामू के पूर्व जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने सावन मास के पवित्र अवसर पर प्रत्येक सोमवार को अपनी धर्मपत्नी माधुरी पाठक के साथ भगवान शिव का विधिवत रुद्राभिषेक किया। सावन के अंतिम सोमवार को भी उन्होंने श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ रुद्राभिषेक कर क्षेत्र की सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर श्री बिट्टू पाठक ने कहा कि सावन मास भगवान शिव की आराधना का विशेष महीना माना जाता है। इस पावन अवसर

पर पूजा-अर्चना कर उन्होंने डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे झारखंड प्रदेश के लोगों के लिए सुख, शांति और विकास की प्रार्थना की।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता की खुशहाली और समृद्धि के लिए वे हमेशा ईश्वर से प्रार्थना करते रहेंगे। सावन के प्रत्येक सोमवार को किए गए रुद्राभिषेक के माध्यम से उन्होंने समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना मजबूत होने की कामना की।

रुद्राभिषेक के दौरान परिवार के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सावन के अंतिम सोमवार पर धार्मिक वातावरण में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

एसपी ने किया टाउन महिला थाना के नए भवन का उद्घाटन

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पुलिस अधीक्षक पलामू के निदेर्शानुसार सोमवार को टाउन थाना परिसर में नवनिर्मित टाउन महिला थाना के नए भवन का विधिवत उद्घाटन पुलिस अधीक्षक पलामू श्री कपिल चौधरी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सदर एसडीपीओ श्री राजेश यादव, प्रभारी सार्जेंट मेजर श्री सुरेश राम, टाउन थाना प्रभारी श्री ज्योतिलाल रजवार, महिला थाना प्रभारी सुश्री पार्वती कुमारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। नवनिर्मित महिला थाना भवन का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित मामलों के त्वरित एवं संवेदनशील निष्पादन के साथ-साथ पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित एवं

बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। नए भवन में आम नागरिकों एवं पीड़ित महिलाओं के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे थाना आने वाली महिलाओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महिला संबंधी शिकायतों एवं मामलों के निष्पादन के लिए बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध होने से पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं संवेदनशील बनाने में सहायता मिलेगी। साथ ही, महिला थाना में आने वाली पीड़ित महिलाओं को अपनी समस्याएं सहज एवं सुरक्षित वातावरण में रखने की सुविधा प्राप्त होगी। पलामू पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों के संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए महिला संबंधी मामलों में त्वरित कार्रवाई एवं बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

भवन निर्माण मजदूर संघ की नई जिला कमिटी गठित

गिरिडीह : भारतीय मजदूर संघ के भवन निर्माण कामगार यूनियन, गिरिडीह जिला की नई जिला कमिटी का गठन सरिया थाना क्षेत्र के खूटा गांव स्थित शिव मंदिर प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गिरिडीह जिला के चेंगरो निवासी सुरेश पंडित ने की। कार्यक्रम का संचालन भवन निर्माण प्रदेश उपाध्यक्ष श्री विश्वनाथ पंडित ने किया। वहीं भारतीय मजदूर संघ के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों एवं संगठन के विशेष पहलुओं पर रांची जिला मंत्री श्री राजेश बर्णवाल ने विस्तार से चर्चा-परिचर्चा की। नवगठित कमिटी के कार्यक्रम में भवन निर्माण कामगार यूनियन अनुमंडल कोषाध्यक्ष श्री रामाशीष राम, रांची से ,महेश पंडित, चेंगरो गिरिडीह से देगलाल पंडित, खूब लाल पंडित, नखी लाल पंडित, सुरेश पंडित, धनेश्वर पंडित, द्वारिका पंडित, वासुदेव पंडित, मगरा पंडित, निर्मल पंडित, रामचंद्र पंडित सहित खूटा, गिरिडीह क्षेत्र के मजदूर एवं महिला मजदूर उपस्थित रहे। रांची जिला मंत्री मुख्य प्रभारी श्री राजेश बर्णवाल ने निर्माण मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने मजदूरों के हक एवं अधिकारों की रक्षा, सरकारी योजनाओं का लाभ तथा भारतीय मजदूर संघ के मुख्य उद्देश्य ह्लराष्ट्रहित, उद्योगहित एवं मजदूरहितह्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यत्र-तत्र बिखरे हुए मजदूरों को संगठित होकर संवैधानिक रीति से तथा प्रशासन की छत्रछाया में रहते हुए अपने न्याय के लिए आवाज बुलंद करनी चाहिए। संगठन के माध्यम से मजदूरों की समस्याओं का समाधान कराने तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास किया जाएगा।

धनबाद के भगतडीह में भू-धंसान से मचा हड़कंप, मकानों में पड़ी दरारें

संवाददाता

धनबाद : झरिया के बस्ताकोला एरिया-9 अंतर्गत भगतडीह स्थित पुराने आरएसपी कॉलेज के पीछे कामिनी कल्याण क्षेत्र में अचानक जमीन धंसने और खिसकने से अफरा-तफरी मच गई। भू-धंसान की वजह से इलाके के कई घरों में बड़ी-बड़ी दरारें उभर आई है। घटना के बाद प्रभावित परिवारों में दहशत है। सुरक्षा को देखते हुए कई लोग अपने जरूरी सामान के साथ सुरक्षित ठिकानों की ओर जाने लगे हैं।

स्थानीय रैयतों और प्रभावित लोगों का आरोप है कि इलाके में हैवी ब्लास्टिंग के बाद तेज आवाज के साथ जमीन में हलचल शुरू हुई और देखते ही देखते जमीन का एक हिस्सा धंस गया। इस घटना की चपेट में बिजय रवानी, रमेश रवानी, भोला रवानी, आशीष रवानी, गोबिंद सिंह, बिजय सिंह, बलराम रवानी, निरंजन रवानी, मानिक चंद रवानी और अजित रवानी समेत कई लोगों के मकान आए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बस्ताकोला एरिया के जीएम एसके गायकवाड़ और धनबाद मेयर संजीव सिंह मौके पर पहुंचे। दोनों ने प्रभावित इलाके का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। भू-धंसान से नाराज रैयतों ने सड़क जाम कर विरोध भी दर्ज कराया। मौके पर पहुंचे मेयर संजीव सिंह ने कहा कि प्रभावित लोगों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। जिन मकानों में गंभीर दरारें आई है या जो रहने लायक नहीं रह गए हैं, वहां रहने वाले परिवारों को बीसीसीएल के सुरक्षित क्वार्टरों में स्थानांतरित करने की व्यवस्था की जा रही है।

मेयर ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिवार को जान जोखिम में डालकर क्षतिग्रस्त मकान में रहने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। भू-धंसान के कारण इलाके की कुछ पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। मामले को लेकर माडा के एसडीओ से बातचीत की गई है। उन्हें प्रभावित इलाके का निरीक्षण कर सर्वे कराने और क्षतिग्रस्त

पाइपलाइन की जल्द मरम्मत सुनिश्चित कराने को कहा गया है।

हैवी ब्लास्टिंग को लेकर मेयर ने बीसीसीएल प्रबंधन को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि इलाके में हो रही हैवी ब्लास्टिंग को लेकर मिल रही शिकायतों पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, तो बस्ताकोला एरिया के राजापुर प्रोजेक्ट को बंद कराने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। मेयर ने कहा कि इस संबंध में बीसीसीएल प्रबंधन और प्रोजेक्ट ऑफिसर को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। स्थानीय लोगों की जान-माल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वहीं बस्ताकोला एरिया के जीएम एसके गायकवाड़ ने बताया कि प्रबंधन पिछले दो-तीन क्वार्टर से राहत और पुनर्वास से जुड़े कार्यों को लेकर लगातार प्रयासरत है। उन्होंने प्रभावित परिवारों से जरूरी दस्तावेज तैयार रखने की अपील की, ताकि अग्नि प्रभावित और भू-धंसान प्रभावित लोगों को जेएमपी 2 सहित नियमानुसार मिलने वाली सुविधाओं का लाभ दिया जा सके। उन्होंने कहा कि जिन मकानों को ज्यादा नुकसान पहुंचा है, वहां रहने वाले परिवारों को आसपास उपलब्ध खाली क्वार्टरों में शिफ्ट किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, वर्ष 2017 में तत्कालीन उपायुक्त ए डोड्डे के आदेश के बाद ट्रेंच कटिंग के मद्देनजर पुराने आरएसपी कॉलेज परिसर को खाली कराया गया था। अब उसी इलाके में फिर से भू-धंसान होने से लोगों की पुरानी चिंताएं एक बार फिर बढ़ गई हैं। फिलहाल प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रशासन और बीसीसीएल की टीम पूरे इलाके की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। प्रभावित क्षेत्र में जमीन की स्थिति, मकानों में आई दरारें, पाइपलाइन और अन्य संपत्तियों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वे कराया जा रहा है।